www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 217 ●ठाणे, सोमवार 4 मई, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक **हिंदमाता मिरर**

पैनी नजर, पुख्ता खबर

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित

पेज 8

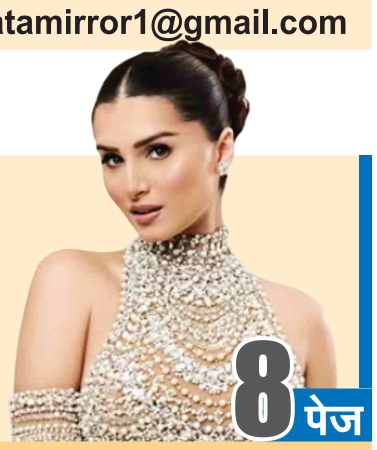

कान में छाएंगी तारा सुतारिया

8 पेज

सुप्रभात

एक समय आता है, जब मनुष्य अनुभव करता है कि थोड़ी-सी मनुष्य की सेवा करना लाखों जप-ध्यान से कहीं बढ़कर है। - **स्वामी विवेकानंद**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (4 मई) 7:02 बजे, सूर्योदय (5 मई) 6:09 बजे, **तापमानः 31 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

5 मई को राष्ट्रपति मुर्मू से मिलेंगे सात सांसद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सभी सातों सांसद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे। सभी 5 मई को सुबह 10.40 बजे राष्ट्रपति से मिलेंगे। राष्ट्रपति ने 5 मई को सुबह 10:40 मिलने का समय दिया है। ये सांसद विलय करने वालों के खिलाफ पंजाब सरकार द्वारा कथित राजनीतिक बदले की भावना के तहत काम किए जाने की शिकायत करेंगे। राज्यसभा के सभापति ने इन सांसदों के बीजेपी में विलय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बीजेपी में शामिल होने वाले सांसद हैं, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत सिंह साहनी और राजेंद्र गुप्ता।

जनगणना कर्मचारी और कोटवार के साथ मारपीट

हिंदमाता नेटवर्क @ रायपुर/श्योपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और मध्य प्रदेश के श्योपुर से एक जैसी और हैरान करने वाली खबर निकलकर सामने आ रही है। इन दोनों शहरों में जनगणना करने गए कर्मचारी के साथ मारपीट की गई है। पहला मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से सामने आया है। यहां रायपुर के रामनगर इलाके में जनगणना कर्मचारी के साथ मारपीट की गई है। बोरसी दुर्ग निवासी रामकृष्ण साहु नामक कर्मचारी जनगणना करने के लिए रामनगर इलाके में पहुंचा था। पीड़ित कर्मचारी ओम प्रकाश तिवारी नामक व्यक्ति के घर पहुंचा और उन जनगणना संबंधी सवाल पूछने लगा। सवाल पूछने पर ओम प्रकाश तिवारी भड़क गया और उसने रामकृष्ण साहू के साथ मारपीट शुरू कर दी।

दिल्ली में ट्रैफिक नियम हुए सख्तः सीएम गुप्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि ट्रैफिक चालानों के निपटारे के लिए सरकार एक नई, तय समय सीमा वाली और व्यवस्थित प्रक्रिया लागू कर रही है। अब सड़क पर लापरवाही या नियमों की अनदेखी के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। इस नई व्यवस्था में चालान से बचना संभव नहीं होगा और तय समय में उसका निपटारा हर नागरिक के लिए अनिवार्य रहेगा। यह पहल सड़क सुरक्षा, अनुशासन और डिजिटल पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नए नियमों के तहत अब चालान को सीधे अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। अब पूरी चालान प्रक्रिया को अधिक सख्त और डिजिटल बनाया गया है।

बिहार कैबिनेट विस्तारः शाह से मिले सीएम सम्राट

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार मंत्रिमंडल विस्तार आज फाइनल हो जाएगा। दिल्ली में सीएम सम्राट की रविवार को गृह मंत्री अमित शाह से निर्णायक मुलाकात हुई। इसके पहले जदयू कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की मुलाकात हो चुकी है। सीएम सम्राट चौधरी की दिल्ली में मौजूदगी और उनकी अमित शाह से होने वाली अहम मुलाकात ने सियासी पारा बढ़ा दिया है।मौजूदा समय में बिहार की सियासत एक बड़े फैसले के मुहाने पर खड़ी है। बीजेपी और जेडीयू के बीच 15-15 का फॉमूर्ला लागू हो सकता है, जिसके तहत भाजपा के 13 और जेडीयू के 12 मंत्री शामिल हो सकते हैं।

पुणे में नाबालिग से दुष्कर्म-हत्या

■ मुंबई-बेंगलुरु हायवे जाम ■ महिला आयोग ने जताई चिंता

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे जिले के भोर तालुका के नसरापुर क्षेत्र में एक चार साल की बच्ची के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की सनसनीखेज वारदात ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर दिया है। इस घटना पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। आयोग ने कहा कि यह जघन्य अपराध गहरी पीड़ा और आक्रोश उत्पन्न करता है। महिला आयोग ने इस घोर अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि ऐसे अपराध बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन हैं और समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग

आयोग की अध्यक्षा ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) को इस मामले में संज्ञान लेकर जांच की निगरानी सुनिश्चित करने तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। साथ ही, पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता और मुआवजा, पॉक्सो के तहत समयबद्ध चार्जशीट दाखिल करने तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द से जल्द सुनवाई सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया है। हर बालिका की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आरोपी के 7 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा

पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि बाद में आरोपी को पुणे के सत्र न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे सात मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। मराठा संगठनों के सदस्यों ने अदालत परिसर में आरोपी को ले जा रहे पुलिस वाहन को रोकने की कोशिश की। इस घटना से भोर क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया, सैकड़ों ग्रामीण स्थानीय चौकी पर जमा हो गए और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। उन्होंने मुंबई-बेंगलुरु नेशनल हाईवे को भी जाम कर दिया। हालांकि नेशनल हाईवे को अवरुद्ध करने वाले लोगों को पुलिस ने तितर-बितर कर दिया।

15 दिनों के भीतर आरोपपत्र करेंगे दाखिल

पुणे (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले में 15 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल कर दिया जाएगा और सुनवाई में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपी का आपराधिक इतिहास है, उसके खिलाफ 1998 और 2015 में मामले दर्ज किए गए थे। दोनों मामलों में उसे बरी कर दिया गया था। वह एक मजदूर है और आमतौर पर गांव में घूमता रहता है और कभी-कभार काम करता है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने सजा दिलाने का दिया आश्वासन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को बेहद शर्मनाक व गहरा दुखदायी बताया और त्वरित सुनवाई का वादा किया। फडणवीस गृह विभाग के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कहा, हम हाई कोर्ट से विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का अनुरोध करेंगे। आरोपी को जल्द से जल्द मौत की सजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। सीएम फडणवीस ने यह भी कहा कि इस घटना का राजनीतिकरण करना असंवेदनशील है। उन्होंने बच्ची के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है।

महाराष्ट्र में बेटियां असुरक्षित, सीएम चुनाव प्रचार में व्यस्तः संजय राऊत

पुणे में नाबालिग से रेप और हत्या का मामला गरमा गया है। लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। इस मामले में पुलिस ने 65 साल के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत का बयान सामने आया है। उन्होंने राज्य की कानून कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों में कानून और सरकार का डर नहीं है। सांसद ने कहा कि इस घटना के लिए अगर कोई जिम्मेदार है तो यह सरकार है। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है, जब से सरकार सत्ता में आई है, राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं और नाबालिग लड़कियों के साथ अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री पर राऊत का हमला

संजय राऊत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे राज्य के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय केरल, तमिलनाडु में प्रचार में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री-गृहमंत्री फडणवीस और कानून व्यवस्था राजनीति में उलझी पड़ी है। वीआईपी की सुरक्षा में व्यस्त है। सीएम एक-एक महीने तक तमिलनाडु, केरल, असम और बंगाल के विधानसभा चुनावों में जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में यहां हालात कौन संभालेगा?।

सरकार को इस घटना के लिए जवाब देना चाहिए

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए, जैसे उन्होंने पहले एक अन्य मामले में माफी मांगी थी। उन्होंने कहा कि पीड़ित लड़की की मां भी किसी की लाडकी बहन होगी और सरकार को इस घटना के लिए जवाब देना चाहिए। उन्होंने महिलाओं और आम नागरिकों से सरकार से जवाब मांगने की अपील की, साथ ही विपक्ष से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। इसके साथ ही पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जनता पर लाठीचार्ज क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सरकार, पुलिस और गृह विभाग की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

चुनावों में धन के उपयोग पर उठाए सवाल

वहीं संजय जाधव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने कहा कि वे उस बयान से सहमत नहीं हैं, लेकिन उनकी भावनाओं को समझते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पक्ष के पास अत्यधिक धन है, जबकि विपक्ष को पर्याप्त निधि नहीं मिलती, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनता के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में धन का दुरुपयोग हो रहा है और इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के पास चुनावों में खर्च करने के लिए अत्यधिक धन है, जिसके स्रोत पर सवाल उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए इन मुद्दों पर गंभीर चर्चा और कार्रवाई जरूरी है।

पुणे बलात्कार-हत्या मामलाः पूर्व गृह मंत्री देशमुख का सरकार पर निशाना

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नेता अनिल देशमुख ने रविवार को 'शक्ति अधिनियम' को तत्काल लागू करने की मांग की। देशमुख ने पुणे जिले में दो नाबालिग के साथ हुए बलात्कार और हत्या की घटनाओं का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि क्या देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार में 'कानून का डर' है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए देशमुख ने महायुति सरकार और केंद्र पर जघन्य मामलों में मृत्युदंड के प्रावधान वाले कानून के मामले में 'पल्ला झाड़ने' का आरोप लगाया।

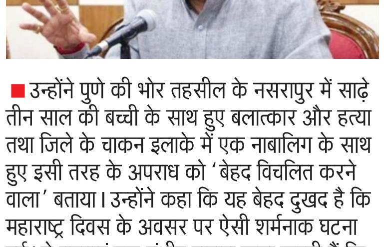

■ उन्होंने पुणे की भोर तहसील के नसरापुर में साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ हुए बलात्कार और हत्या तथा जिले के चाकन इलाके में एक नाबालिग के साथ हुए इसी तरह के अपराध को 'बेहद विचलित करने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है कि महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर ऐसी शर्मनाक घटना हुई। ये घटनाएं एक गंभीर सवाल खड़ा करती हैं कि क्या राज्य में अब भी कानून का खौफ बाकी है। एक मई को नरसापुर में 65 साल के एक व्यक्ति ने कथित रूप से एक बच्ची के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी थी, जिसके बाद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया था और सैकड़ों ग्रामीण स्थानीय पुलिस चौकी पर इकट्ठे होकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रशासन ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और मामले की त्वरित सुनवाई का आश्वासन दिया है।

पुणे में बच्ची से दुष्कर्म-हत्या मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

महाराष्ट्र के पुणे जिले में चार साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई है। इस जघन्य अपराध को लेकर व्यापक पैमाने पर आक्रोश फैल गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि दो महिलाओं सहित छह पुलिस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी)गठित की गई है। जांच की प्रगति के आधार पर हम और अधिक अधिकारियों और कर्मियों को शामिल करेंगे। यह टीम मामले की गहन जांच करेगी।

■ पुणे जिले की भोर तहसील के एक गांव में चार साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न और हत्या के आरोप में 65 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जिसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस के मुताबिक,आरोपी ने कथित तौर पर शुक्रवार को लड़की को खाने का लालच दिया और उसे एक पशु बाड़े में ले गया, जहां उसने कथित तौर पर बच्ची का यौन उत्पीड़न किया और बाद में पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

■ अदालत ने आरोपी को सात मई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इस अपराध के खिलाफ पर बड़े पैमाने पर आक्रोश और विरोध प्रदर्शन देखने को मिले हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी को मौत की सजा देने की मांग की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)विधायक रोहित पवार, शिवसेना नेता और विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे और भाजपा की राज्यसभा सदस्य मेधा कुलकर्णी सहित विभिन्न दलों के कई नेताओं ने पीड़िता के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की है।

■ इस बीच, बच्ची के पिता ने नेताओं से अपील की कि जब तक आरोपी को फांसी नहीं दे दी जाती, तब तक वे उनसे मिलने न आएं। पिता ने एक वीडियो संदेश में कहा कि जब मैं अपनी बेटी की अस्थियां विसर्जित करने पहुंचा, तो मुझे परिवार के सदस्यों के फोन आए कि कई नेता हमारे घर शोक संवेदना व्यक्त करने आ रहे हैं। मैं सभी नेताओं से अपील करता हूं कि जब तक मेरी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता, जब तक उस आरोपी को फांसी नहीं हो जाती, कृपया मेरे घर न आएं। यह एक विनम्र निवेदन है।

■ हम नेताओं या किसी अन्य व्यक्ति से, जो हमसे मिलना चाहता है, तभी मिलेंगे जब आरोपी को फांसी दे दी जाएगी। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले के आरोपी के लिए मौत की सजा की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए 'रिकॉर्ड समय' में मुकदमे की कार्यवाही में तेजी लाएगा। इस घटना से आक्रोशित सैकड़ों लोगों ने शनिवार को पुणे में मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग को लगभग चार घंटे तक अवरुद्ध रखा था। बच्ची के परिवार के सदस्यों और अन्य प्रदर्शनकारियों ने शनिवार शाम को नवाले ब्रिज क्षेत्र में शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और 65 वर्षीय आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की।

90 साल की महिला का मानहानि के केस में सेटलमेंट से इनकार

हायकोर्ट ने कहा- 2046 के बाद करेंगे सुनवाई

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को दक्षिण मुंबई की एक हाउसिंग सोसाइटी की मैनेजिंग कमेटी के सदस्यों के खिलाफ 20 करोड़ रुपए के मानहानि के मुकदमे की सुनवाई 2046 तक के लिए टाल दी। यह मुकदमा एक 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला और उनकी बेटी द्वारा दायर किया गया है। लगभग दस साल पहले सोसाइटी में मरम्मत और रखरखाव के लिए फंड जमा करने को लेकर विवाद हुआ था। सोसाइटी की बैठक की मिनट्स में इस महिला को डिफॉल्टर बताया गया, जिसके बाद महिला ने मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया।

हाईकोर्ट का प्रयास के वावजूद महिला का इनकार

20 अप्रैल को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों से समझौता करने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन ने कहा था कि मामले को आसानी से सुलझाया जा सकता है, अगर प्रतिवादी (डिफेंडेंट्स) बिना शर्त माफी मांग लें। मंगलवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो पूर्व कमेटी सदस्यों की ओर से ALMT लीगल ने कोर्ट को बताया कि वे बिना शर्त माफी मांगने को तैयार हैं। लगभग 90 वर्षीय महिला ने अभी भी मुकदमा आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने समझौता करने से साफ इनकार कर दिया।

कोर्ट का सख्त रुख

न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन ने कहा कि मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, सिवाय इसके कि इस मामले को अगले 20 वर्षों तक सूचीबद्ध न किया जाए। हाई कोर्ट ने एक पेज के आदेश में कोर्ट ने कहा कि यह उन मामलों में से एक है जहां पक्षकारों के बीच जीवन के अंतिम पड़ाव में अहंकार की लड़ाई न्यायिक प्रणाली को जाम कर रही है। इससे उन महत्वपूर्ण मामलों को प्राथमिकता देने में बाधा आ रही है, जिन्हें वास्तव में अधिक ध्यान की जरूरत है।

बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम 2026

मतगणना के लिए 432 ऑब्जर्वर तैनात

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की घड़ी अब करीब है। सोमवार को राज्य की 293 सीटों (फालता को छोड़कर) पर होने वाली मतगणना को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए चुनाव आयोग ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आयोग ने शनिवार को काउंटिंग ऑब्जर्वर की आधिकारिक सूची जारी कर दी है, जिसके तहत कुल 432 पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है।

सुरक्षा का 'घेरा' पर कमरे में प्रवेश नहीं

मतगणना केंद्रों के बाहर की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए 77 पुलिस ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई है। आयोग ने स्पष्ट आदेश दिया है कि ये पुलिस पर्यवेक्षक किसी भी परिस्थिति में मतगणना कक्ष के भीतर प्रवेश नहीं करेंगे। इनका काम बाहरी परिसर में समन्वय और व्यवस्था बनाए रखना होगा।

उत्तर 24 परगना में 'सुपर विजिलेंस'

आयोग की सूची के अनुसार, उत्तर 24 परगना जिला इस बार मतगणना के केंद्र में रहने वाला है। यहां की 33 सीटों के लिए सर्वाधिक 49 काउंटिंग ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। इसके ठीक बाद दक्षिण 24 परगना का नंबर आता है, जहां 31 सीटों के लिए 45 पर्यवेक्षकों की भारी-भरकम टीम तैनात की गई है। हालांकि, फालता सीट पर गणना टलने के कारण इस संख्या में मामूली फेरबदल की संभावना है।

165 अतिरिक्त पर्यवेक्षक भी संभालेंगे मोर्चा

इस बार आयोग ने उन विधानसभा क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष हैं। ऐसे केंद्रों के लिए 165 अतिरिक्त काउंटिंग ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं, जो पहले से तैनात पर्यवेक्षकों की सहायता करेंगे।

मुंबई हवाई अड्डे पर 1.79 करोड़ रुपए मूल्य का सोना और अन्य सामान जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

सीमा शुल्क विभाग ने दुबई से यहां छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डा पहुंचे यात्रियों से 1.79 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक सामान, सौंदर्य प्रसाधन, सिगरेट और अपरिष्कृत सोना जब्त किया है। यह जानकारी रविवार को एक अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि यह अभियान सीमा शुल्क हवाई अड्डा आयुक्तालय द्वारा 1 और 2 मई के बीच चलाया गया था। उन्होंने कहा कि मौके पर ही दो यात्रियों की पहचान कर उनके खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए। इनमें से एक यात्री एमिरेट्स की उड़ान से आया था और उसके पास इलेक्ट्रॉनिक सामान, सौंदर्य प्रसाधन और सिगरेट जैसी 84.37 लाख रुपए मूल्य की तस्करी की वस्तुएं थीं।

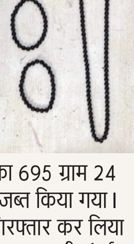

■ एक अन्य मामले में, विस्तृत तलाशी के बाद विमान के दोनों पिछले शौचालयों के कमोड से भूरे टेप में लिपटे आठ पैकेट बरामद किए गए। अधिकारी ने बताया कि स्पाइसजेट की उड़ान से आए एक यात्री से 95 .32 लाख रुपए मूल्य का 695 ग्राम 24 कैरेट का अपरिष्कृत सोना जब्त किया गया। उन्होंने कहा कि यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह बरामदगी मुंबई हवाई अड्डे पर तस्करी को रोकने के लिए बरती जा रही सतर्कता को उजागर करती है।

हिंदमाता एंकरः क्रू मेंबर्स समेत 231 यात्रियों की अटक गई सांसे

वाढवण मेगा पोर्टः 124 गांव वालों ने सौंप दी जमीन

हिंदमाता नेटवर्क @ पालघर

पालघर के वाढवण मेगा पोर्ट परियोजना को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। 124 ग्रामीणों ने स्वेच्छा से अपनी जमीन प्रशासन को सौंपी है, जिससे लंबे समय से अटकी यह महत्वाकांक्षी योजना अब रफ्तार पकड़ेगी। 76,220 करोड़ की लागत से बनने वाला यह ग्रीनफील्ड पोर्ट अंतरराष्ट्रीय व्यापार और क्षेत्रीय विकास को गति देगा, रोजगार के अवसर बढ़ाएगा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में प्रस्तावित वाढवण मेगा पोर्ट परियोजना को बड़ा बढ़ावा मिला है। परियोजना क्षेत्र के 124 ग्रामीणों ने स्वेच्छा से अपनी जमीन जिला प्रशासन को सौंप दी है, जिससे लंबे समय से अटकी इस महत्वाकांक्षी योजना की राह अब आसान होती दिख रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम सरकार और स्थानीय समुदाय के बीच बढ़ते भरोसे का संकेत है।

वाढवण पोर्ट परियोजना क्यों है खास?

वाढवण पोर्ट परियोजना के तहत अत्याधुनिक समुद्री ढांचा विकसित किया जाएगा। इसमें कुल 9 कंटेनर टर्मिनल बनाए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक की लंबाई लगभग 1,000 मीटर होगी। इसके अलावा 4 मल्टीपर्पज बर्थ (तटीय बर्थ सहित), 4 लिक्विड कार्गो बर्थ, एक रो-रो बर्थ और एक कोस्ट गार्ड बर्थ भी शामिल होंगे। इस मेगा प्रोजेक्ट के तहत समुद्र में करीब 1,448 हेक्टेयर क्षेत्र में भूमि का निर्माण (रिक्लेमेशन) किया जाएगा। साथ ही 10 ।14 किलोमीटर लंबा ऑफशोर ब्रेकवाटर (समुद्री सुरक्षा दीवार) और बड़े पैमाने पर कंटेनर व कार्गो स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार को मिलेगी नई गति

विशेषज्ञों के अनुसार, वाढवण पोर्ट के शुरू होने से भारत की लॉजिस्टिक्स क्षमता में बड़ा इजाफा होगा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी। यह पोर्ट मुंबई के पास स्थित होने के कारण पश्चिमी तट पर एक प्रमुख व्यापारिक हब के रूप में उभर सकता है। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। हालांकि, परियोजना को लेकर पहले पर्यावरणीय चिंताओं और स्थानीय विरोध की खबरें भी सामने आती रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों द्वारा स्वेच्छा से जमीन सौंपना परियोजना के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। फिलहाल प्रशासन का ध्यान शेष प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा कर निर्माण कार्य को गति देने पर है।

उल्हासनगर में खूनी झड़प, युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

हालत गंभीर

हिंदमाता नेटवर्क @ विरार

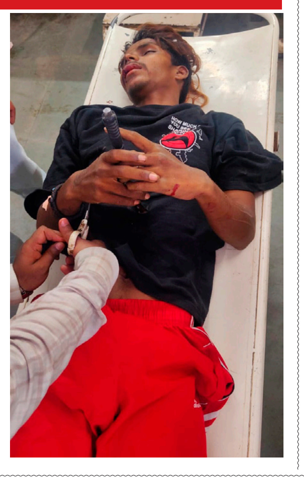

उल्हासनगर :शुक्रवार शाम उल्हासनगर-5 के नेताजी चौक परिसर में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें एक युवक को सीने में चाकू मार उसे जान से मारने की कोशिश की गई। उसकी हालत गंभीर है। घायल युवक का इलाज के लिए पहले मध्यवर्ती फिर कलवा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार शिव मंदिर एकता नगर परिसर के तीन युवक शाम को नेताजी चौक पर चाय पीने आए थे। उसी समय विट्ठलवाड़ी परिसर के पांच-छह युवकों के एक गुट ने उन पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने एक युवक को चाकू से वार करके उसकी छाती में गंभीर रूप से घायल कर दिया, जबकि अन्य युवकों की भी पिटाई की गई। घायल युवक के अनुसार विवाद प्रेम प्रसंग से संबंधित था और दोनों समूहों के बीच पहले से ही तनाव था। घटना के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई और हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हिल लाइन पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पीएसआई संग्राम मलकर ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। एक फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। इस बीच इस घटना के बाद परिसर में भय का माहौल फैल गया है और शहर में कानून व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

नारपोली पुलिस की सराहनीय पहल, गुम हुए 7 मोबाइल मालिकों को लौटाए

हिंदमाता नेटवर्क @ भिवंडी

शहर के नारपोली पोलिस स्टेशन ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया है। पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों के गुम हुए 7 मोबाइल फोन का सफलतापूर्वक पता लगाकर उन्हें उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, पोलीस हवलदार (पोशी/2468) विजय ताठे ने आधुनिक तकनीकी साधनों की मदद से इन मोबाइल फोन का पता लगाया। लगातार ट्रैकिंग और जांच के बाद सभी डिवाइस बरामद कर लिए गए। इसके बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंप दिए गए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और राहत की सांस ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आम नागरिकों की सुरक्षा और उनका विश्वास बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित किया है कि पुलिस न सिर्फ कानून व्यवस्था बनाए रखने में, बल्कि नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं को हल करने में भी अहम भूमिका निभा रही है।

टेनिस क्रिकेट को नई पहचान, एमटीसीसीएल के साथ महाराष्ट्र में नई पहल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर सुनील गावस्कर, करसन घावरी और अमोल मजूमदार जैसी क्रिकेट हस्तियों की मौजूदगी में 'महाराष्ट्र टेनिस क्रिकेट चैंपियंस लीग' का भव्य शुभारंभ एमसीए क्लब, बीकेसी में किया गया। इस लीग का आयोजन एकनाथ सोलकर फाउंडेशन और रोज़ मर्क लिमिटेड द्वारा किया गया है। महाराष्ट्र की इस पहली प्रमुख प्रीमियर टेनिस क्रिकेट लीग में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। फिलहाल 8 टीमों के कप्तानों का चयन हो चुका है, जबकि बाकी खिलाड़ियों का चयन आगामी दिनों में नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पूर्व भारतीय क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया और स्वर्गीय एकनाथ सोलकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह लीग आईटीसीएसएफ से संबद्ध है, जिसके संस्थापक ब्रिजेश सोलकर और भूपेंद्र सिन्हा हैं, जबकि सह-संस्थापक भरत लोहार और प्रवीण घेवरी हैं। कार्यक्रम का प्रबंधन अल्टीमेट इवेंट मेकर्स की पल्लवी नायर द्वारा किया गया। 'महाराष्ट्र टेनिस क्रिकेट चैंपियंस लीग' को टेनिस बॉल से खेले जाने वाले एक प्रीमियम राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें फ्रेंचाइजी मॉडल और खिलाड़ियों की नीलामी प्रणाली को शामिल किया गया है। साल 2026 में लॉन्च हुए इस पहले सीजन का उद्देश्य महाराष्ट्र के स्थानीय क्रिकेट टैलेंट को बड़ा मंच देना है। लीग का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स और वेव्स पर किया जाएगा। इस मौके पर 8 टीमों के लोगो, पुरस्कार राशि और आधिकारिक टी-शर्ट का अनावरण किया गया। साथ ही कप्तानों, मेंटर्स और मुख्य चयनकर्ता की घोषणा भी की गई। खिलाड़ियों के पंजीकरण के लिए क्रिकेटब्रो ऐप लॉन्च किया गया है, जहां रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों और आईटीसीएसएफ के सभी सदस्यों को सम्मानित किया गया।

दूधवाले, अख़बार विक्रेता को डिजिटल सुविधा प्रदान करनेवाले 'नगदपे' ऐप का शुभारंभ

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

NagadPe
Tarakki har din

'नगदपे', एक फिनटेक प्लेटफॉर्म है जिसका मकसद भारत के असंघटित और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को डिजिटल वित्तीय सेवा से जोड़ना है, इस का अनावरण मुंबई में रविवार, 3 मई 2026 को हुआ। इस पहल का उद्देश्य दूध विक्रेताओं, अख़बार वितरकों और छोटे दैनिक कमाई करने वाले कामगारों को डिजिटल वित्तीय प्रणाली से जोड़ना है।

'नगदपे' ऐप उपयोगकर्ताओं को डिजिटल छालण बनाने, समय पर भुगतान प्राप्त करने और एक विश्वसनीय वित्तीय पहचान बनाने की सुविधा देता है। इससे उन्हें ऋण और अन्य औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी। भारत में जहां हर दिन की शुरुआत दूधवाले, अख़बार विक्रेता और अन्य सेवा प्रदाताओं की डोरबेल से होती है, वहीं लाखों छोटे और असंगठित कामगार आज भी कागज़ी हिसाब-किताब और महीने के अंत में नकद वसूली पर निर्भर हैं। नगदपे इस व्यवस्था को बदलने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया है। यह प्लेटफॉर्म ब्लू-कॉलर कार्यबल के लिए तैयार किया गया एक सरल डिजिटल पेमेंट और लेजर समाधान है, जो भुगतान संग्रह, ग्राहक प्रबंधन और बहीखाते की जटिलताओं को आसान बनाता है। हालांकि देश में डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन स्थानीय स्तर पर कई सेवाएं अभी भी पारंपरिक तरीकों पर निर्भर हैं, जिससे देरी और भुगतान संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं। नगदपे के सह-संस्थापक गजेन्द्र गर्ग ने कहा, "भारत अपने रोज़मर्रा के नायकों पर चलता है, लेकिन उनकी वित्तीय व्यवस्था अभी भी पुरानी है। नगदपे के माध्यम से हम उन्हें सरल, पारदर्शी और डिजिटल समाधान देकर सशक्त बनाना चाहते हैं।" इस प्लेटफॉर्म की प्रमुख विशेषताओं में आसान ऑनबोर्डिंग, स्थानीय भाषाओं का समर्थन (जल्द), तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता नहीं जैसे सुविधाएं शामिल हैं। मुंबई से शुरू हुआ नगदपे जल्द ही महाराष्ट्र और देश के अन्य शहरों में विस्तार करेगा। कंपनी का लक्ष्य असंगठित कामगारों के लिए एक मजबूत वित्तीय पहचान प्लेटफॉर्म बनना है। यह ऐप दूध वितरण, अख़बार सप्लाई, लॉन्ड्री, छोटे दुकानदारों और नियमित नकद लेनदेन करने वालों के लिए उपयोगी है। नगदपे ऐप अब एंड्रॉइड पर उपलब्ध है।

भिवंडी में शब्बीर अहमद अंसारी की श्रद्धांजलि सभा आयोजित

सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की हस्तियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हिंदमाता नेटवर्क @ भिवंडी

ऑल इंडिया मुस्लिम ओबीसी ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय शब्बीर अहमद अंसारी की स्मृति में भिवंडी में एक गरिमामय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें परिवारजनों, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। यह श्रद्धांजलि सभा साफिया गर्ल्स हाई स्कूल, सलामतपुरा, नाईगांव रोड, भिवंडी में आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरआन के पाठ और प्रार्थना के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफिज जमील ने की तथा संचालन मौलाना इम्तियाज अहमद फलाही ने किया। इस अवसर पर मुंबई से दैनिक हिंदुस्तान के संपादक सरफराज आरजू और सईद खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वर्गीय शब्बीर अहमद अंसारी के पुत्र गुफरान अहमद अंसारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। सभा को ऑल इंडिया मुस्लिम ओबीसी ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फाजिल अंसारी, अधिवक्ता यासीन मोमिन, मौलाना औसाफ फलाही, मुफ्ती सैयद मोहम्मद हुजैफा कासमी, अब्दुल रशीद ताहिर मोमिन और सलीम रहमतुल्लाह अंसारी ने संबोधित किया। वक्ताओं ने स्वर्गीय शब्बीर अहमद अंसारी के सामाजिक, शैक्षणिक और जनकल्याणकारी कार्यों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज और समुदाय की सेवा के लिए समर्पित किया। भिवंडी मनपा के उपमहापौर मोहम्मद तारिक मोमिन ने विधायक शेख रईस कासिम शेख का श्रद्धांजलि संदेश पढ़कर सुनाया। वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय शब्बीर अहमद अंसारी का योगदान समाज के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम में गुफरान अंसारी, सरफराज आरजू, मुफ्ती मोहम्मद हुजैफा कासमी, सईद खान, इसहाक खड़के, तारिक मोमिन, सलीम अंसारी, हाफिज जमील अंसारी, अधिवक्ता यासीन मोमिन, मौलाना औसाफ फलाही, मौलाना इम्तियाज फलाही, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अनस अंसारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, परिवारजन और शुभचिंतक उपस्थित रहे। अंत में स्वर्गीय शब्बीर अहमद अंसारी की आत्मा की शांति तथा परिजनों के धैर्य के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।

वसई-विरार महानगरपालिका की लंबित समिति चुनावों की तारीख तय

8 मई को होगा फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ वसई

वसई-विरार महानगरपालिका में लंबे समय से अटके समिति चुनावों को लेकर आखिरकार स्थिति साफ हो गई है। प्रशासन ने चुनाव की तारीख घोषित कर दी है, जिससे स्थानीय राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। महानगरपालिका के सार्वत्रिक चुनाव के बाद लंबित पड़ी महत्वपूर्ण समितियों के सभापति और उपसभापति पदों के चुनाव अब 8 मई 2026 को कराए जाएंगे। प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा की गई है। इन चुनावों के लिए पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि 20 फरवरी को हुई पहली महासभा में महिला एवं बाल कल्याण समिति और स्वास्थ्य समिति का गठन किया गया था। शहर के बढ़ते दायरे और जटिल समस्याओं को ध्यान में रखते हुए दोनों समितियों के सदस्यों की संख्या 9 से बढ़ाकर 15 करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था। हालांकि, समिति गठन के बाद भी सभापति और उपसभापति पदों के चुनाव लंबित थे, जिस पर महापौर अजीव पाटील ने राज्य सरकार और प्रशासन के प्रति नाराजगी भी जताई थी। अब कोकण विभागीय आयुक्त रुबल अग्रवाल के आदेश के बाद इन चुनावों को हरी झंडी मिल गई है। चुनावी प्रक्रिया के तहत इच्छुक उम्मीदवार 6 मई को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। उसी दिन शाम 5:30 बजे नामांकन की प्रारंभिक सूची जारी की जाएगी। अब 8 मई को होने वाले इस चुनाव पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां इन अहम समितियों के नेतृत्व का फैसला होगा।

भिवंडी ईस्ट विधानसभा में समाजवादी पार्टी का बड़ा दांव, नासिर जावेद को सौंपी कमान

प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी ने सौंपा नियुक्ति पत्र, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह

हिंदमाता नेटवर्क @ भिवंडी

समाजवादी पार्टी ने संगठन विस्तार के तहत नासिर जावेद को भिवंडी ईस्ट विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया है। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी के हाथों उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी भिवंडी शहर अध्यक्ष अनस अंसारी, वेस्ट प्रभारी रियाज आज़मी, पूर्व डिप्टी मेयर अहमद हुसैन सिद्दीकी, फ़र्रुख़ आज़मी, हमीद शेख, मतलूब ख़ान, अशरफ़ ख़ान मुन्ना, सुलतान अंसारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नियुक्ति के बाद नासिर जावेद ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बिना किसी दबाव के पार्टी और संगठन को मज़बूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार नासिर जावेद इससे पहले भी समाजवादी पार्टी के कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी निभा चुके हैं। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने संगठनात्मक भूमिका में सक्रिय योगदान दिया था। एक प्रभावशाली वक्ता और जमीनी कार्यकर्ता के रूप में उनकी पहचान रही है, जिसके चलते पार्टी नेतृत्व ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है।

रक्तदान कर लोगों का जीवन बचायें- प्रदीप शर्मा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

रविवार 3 मई को सामाजिक संस्था पीएस फाउंडेशन के अध्यक्ष व पूर्व पुलिस एनकाउंटर स्पेसलिस्ट प्रदीप शर्मा द्वारा अपनों व आम जनमानस के जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान महादान के फलस्वरूप रक्तदान का मेगा शिबिर का आयोजन फाउंडेशन कंपाउंड अंधेरी पूर्व के एमआईडीसी में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय रहिवासियों ने भाग लेकर रक्तदान को बड़े पैमाने पर पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया। और प्रदीप शर्मा ने बताया कि हमारी द्वारा की गई अपील पर लोगों ने हर्षोल्लास पूर्वक रक्तदान किया। जिसके लिए शर्मा ने उनका आभार प्रकट किया और मीना ताई ठाकरे ब्लड बैंक में ब्लड को जमा करवाया गया।

थैलेसेमिया के लिए रक्त इकट्ठा करना लक्ष्य- स्वीकृति शर्मा

पीएस फाउंडेशन की महिला स्वावलंबन समिति की अध्यक्षा और मेगा रक्तदान शिबिर की आयोजिका स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने बताया कि यह रक्तदान शिबिर थैलेसेमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों के जीवन की रक्षा के लिए विगत कई वर्षों से किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि या बिमारी दो तरह की होती है जिसमें पहला मायनर और दूसरा मेजर जो बहुत खतरनाक होती है उन्हीं दोनों बीमारियों से ग्रसित बच्चों की जीवन प्राडाली को मुख्यधारा से जोड़ने का भगीरथी प्रयास किया जा रहा है। और स्थानीय रहिवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। और शर्मा ने कहा कि पीएस फाउंडेशन के सभी कार्य सम्राट सहयोगियों को दिल से धन्यवाद। और सफल व संतोष जनक आयोजन के लिए पीएस फाउंडेशन हमेशा अँधेरी पूर्व विधानसभा वासियों के लिये हर संभव मदत के लिये तैयार मिलेगा।

हिंदमाता एंकर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को करीब 6995 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के इस हिस्से को 'मिसिंग लिंक' क्यों कहा जाता है?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

महाराष्ट्र दिवस के मौके पर मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे से जुड़ी बहुप्रतीक्षित 'मिसिंग लिंक परियोजना' का आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और एकनाथ शिंदे ने उद्घाटन किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को करीब 6995 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। इस मिसिंग लिंक से न सिर्फ यात्रा 6 किलोमीटर कम होगी, बल्कि करीब 30 मिनट के समय की भी बचती होगी। आईये जानतें है कि मुंबईपुणे एक्सप्रेसवे के मिसिंग लिंक को मिसिंग लिंक क्यों कहा जाता है?

'मिसिंग लिंक' का अर्थ होता है 'गायब कड़ी' या 'अधूरा जुड़ाव'। जब मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे बनाया गया, तब खोपोली से लोणावलाकुसगांव के बीच का लगभग 13.3 किमी का घाट वाला हिस्सा तकनीकी और आर्थिक कारणों से सीधे एक्सप्रेस-वे के रूप में नहीं बन पाया। यही हिस्सा एक्सप्रेसवे की 'गायब कड़ी' था, जिसे 'मिसिंग लिंक' कहा जाता है। इस घाट सेक्शन में नया एक्सप्रेसवे बनाना महंगा और जटिल था, इसलिए खोपोली से लोणावला तक पुराने NH-4 (अब NH-48) को चौड़ा करके उसी का इस्तेमाल करना पड़ा।

ट्रैफिक जाम की समस्या हुई खत्म

एक्सप्रेसवे और NH-48 की सारी गाड़ियां इसी घाट वाले हिस्से में आकर मिलती थीं। इससे लोणावला-खंडाला घाट में अक्सर ट्रैफिक जाम और हादसे होते थे। इस वजह से एक्सप्रेसवे का बाकी हिस्सा तो तेज और सीधा था, लेकिन यह घाट वाला भाग धीमा, घुमावदार और खतरनाक था। यानी पूरी सड़क में एक 'गायब या फिर कमज़ोर कड़ी' मौजूद थी।
महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम ने इस समस्या को खत्म करने के लिए खोपोली से कुसगांव तक 13.3 किमी का नया, सीधा और हाई-स्पीड मार्ग बनाया।

इसमें शामिल हैं-

840 मीटर लंबा वायाडक्ट
1.75 किमी और 8.9 किमी के दो बड़े टनल
टाइगर वैली पर 650 मीटर का केबल-स्टेड ब्रिज

फायदे-

दूरी लगभग 5.76 किमी कम
समय 2530 मिनट कम
खतरनाक मोड़ और चढ़ाई खत्म
ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाएं कम

कम हुई दूरी

पुराने रास्ते से होते हुए खोपोली से कुसगांव तक पहुंचने में 19.8 किलोमीटर का सफर करना पड़ता था, जिसमें 45 से 60 मिनट का समय लगता था। खोपोली से खंडाला घाट (कई तीखे मोड़) से लोणावला होते हुए कुसगांव पहुंचा जाता था। वहीं, नए मिसिंग लिंक से खोपोली से कुसगांव में महज 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है। दूरी भी घटकर केवल 13.3 किलोमीटर ही रह गई है।

बिजनेस वर्ल्ड

जनसंवाद कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिसाद नागरिकों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

हिंदमाता नेटवर्क @ विरार
वसई-विरार शहर महानगरपालिका के प्रभाग समिति 10 अंतर्गत नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए रविवार, 3 मई 2026 को आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को नागरिकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला। ठाकुर विद्यालय में सुबह 10 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधियों के सामने रखीं। यह कार्यक्रम स्थानीय बीजेपी नगरसेवक किशोर पाटील, एकता (डिंपल) सिंह, अंजु तिवारी और पंकज देशमुख के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन, महावितरण, महानगरपालिका और जल आपूर्ति विभाग से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही नागरिकों से लिखित आवेदन भी स्वीकार किए गए, जिससे समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को तेज करने की दिशा में पहल की गई। आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए नालों की सफाई, स्वच्छता व्यवस्था और प्रभाग के लंबित विकास कार्यों पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा बार-बार होने वाली बिजली कटौती, अधूरे कार्यों और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने और नियमित फॉलोअप का आश्वासन दिया। वहीं क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर पुलिस प्रशासन के साथ भी चर्चा की गई। खासतौर पर श्रेणी 1 और 2 की खतरनाक इमारतों और नए पानी कनेक्शन के लंबित आवेदनों पर नागरिकों ने शीघ्र कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम के दौरान सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए टोकन प्रणाली लागू की गई थी, जिससे प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने का अवसर मिला। कई नागरिक पहले से ही लिखित आवेदन और आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचे थे, जिससे शिकायतों को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जा सका। कार्यक्रम के अंत में नगरसेवकों ने भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इस पहल से नागरिकों में सकारात्मक माहौल देखने को मिला और लोगों ने उम्मीद जताई कि अब लंबित मुद्दों के निपटारे में तेजी आएगी।

स्वामी विवेकानंद इंग्लिश हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज भिवंडी, एचएससी का शानदार परीक्षा परिणाम

हिंदमाता नेटवर्क @ भिवंडी

शनिवार,2 मई 2026 को ऑनलाइन घोषित किए गए बारहवीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों में स्वामी विवेकानंद इंग्लिश हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शानदार सफलता प्राप्त की।एच.एस.सी. परीक्षा 2026 के घोषित परिणामों में विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विषयों में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इस वर्ष के परिणामों में फैजान अहमद ने समग्र (ओवरऑल) टॉपर बनकर स्कूल का नाम रोशन किया। उन्होंने गणित, केमिस्ट्री और आई.टी. जैसे प्रमुख विषयों में उच्च अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। स्कूल प्रशासन के अनुसार, फैजान का प्रदर्शन सभी विषयों में संतुलित और उत्कृष्ट रहा।
विषयवार टॉपर्स की झलक :
अंग्रेजी में फैजान अहमद ने 87 अंक प्राप्त कर बढ़त बनाई।
हिंदी में सत्यम रामबिहारी 90 अंकों के साथ अव्वल रहे।
उर्दू में आलमीन हादीस ने 74 अंक हासिल किए।
गणित में फैजान अहमद ने 98 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया।
भूगोल में वामिक अब्दुल ने 96 अंकों के साथ बाजी मारी।
फिजिक्स में फैजान अहमद और वामिक अब्दुल दोनों ने 89 अंक प्राप्त किए।
केमिस्ट्री में भी फैजान अहमद 92 अंकों के साथ सबसे आगे रहे।
बायोलॉजी में वामिक अब्दुल ने 87 अंक हासिल किए।
आई.टी. विषय में मोहम्मद ताहा और मोहम्मद अयान ने 99-99 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों ने छात्रों की इस सफलता पर खुशी जताई। संस्था सचिव आर. जे. गुप्ता, सौ. पुष्पा आर. गुप्ता, निशांत आर. गुप्ता, स्कूल प्रिन्सिपल एल. यू. पाल, आंबवडे सीमा मैडम, अंसारी नाजरीन मैडम, शेख गुलाब मैडम तथा अन्य शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि छात्रों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हुआ है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखने को मिला। अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भी छात्र इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और भिवंडी का नाम राज्य व देश स्तर पर रोशन करेंगे।
"मेहनत और लगन से ही सफलता मिलती है," यह संदेश इन नतीजों के माध्यम से एक बार फिर सामने आया है।

मुंबई में 30 घंटे पानी की सप्लाई बंद! 5 से 6 मई तक 6 वार्ड होंगे

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के छह वार्डों में पूरे 30 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी। ऐसे में बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने इस कटौती के बारे में सूचना जारी की है। इसके साथ ही उन सभी इलाकों की पूरी लिस्ट भी जारी की है जो इससे प्रभावित होंगे। कई इलाकों में पानी की सप्लाई पूरे 30 घंटों के लिए बंद रहेगी। नगर निगम ने वडाला के अमर महल से लेकर प्रतीक्षा नगर तक एक नई पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। इसके चलते 5 और 6 मई को खास तौर पर अगले मंगलवार और बुधवार को कुछ वार्डों में 30 घंटे की पानी की कटौती लागू की जाएगी। उत्तरी मुंबई में माटुंगा, सायन और वडाला, दक्षिण में परेल और सेवरी, 'L' वार्ड में कुर्ला और साकी नाका, पूर्व में गोवंडी और मानखुर्द, पश्चिम में चेंबूर और 'N' वार्ड में घाटकोपर, विक्रोली और विद्याविहार। पानी की सप्लाई में यह पूरी तरह से रुकावट मंगलवार 5 मई को सुबह 10:00 बजे से लेकर बुधवार 6 मई को शाम 4:00 बजे तक रहेगी। मुंबई नगर निगम ने वडाला के अमर महल से लेकर प्रतीक्षा नगर तक एक नई टनल बनाने का काम शुरू किया है। यह नई टनल परेल-ट्रॉम्बे जलाशय से जुड़ेगी। इसके अलावा इस टनल का विस्तार टर्भे में स्थित हाई-लेवल जलाशय तक किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में 1,800 मिमी व्यास वाली एक टनल के निर्माण के साथ-साथ अन्य संबंधित कार्य भी शामिल हैं। इस टनल के निर्माण को आसान बनाने के लिए टर्भे में स्थित हाई-लेवल और लो-लेवल जलाशयों से होने वाली पानी की सप्लाई को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाएगा। यह काम इन 30 घंटों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद पानी की सप्लाई फिर से शुरू कर दी जाएगी। इसलिए नगर निगम ने लोगों को सलाह दी है कि वे पहले से ही पर्याप्त मात्रा में पानी जमा करके रख लें और इस दौरान पानी का बहुत ही सावधानी से इस्तेमाल करें। F/नॉर्थ वार्ड : प्रतीक्षा नगर, शास्त्री नगर, संजय गांधी नगर, शांति नगर, एचएम रोड, केडी गायकवाड़ नगर, वडाला ट्रक टर्मिनस, न्यू कफ परेड, अल्मेडा कॉम्प्लेक्स, सायन पूर्व और पश्चिम। डॉ बाबासाहेब अंबेडकर मार्ग, दिनशॉ पेटिट मार्ग, परमार गुरुजी मार्ग,गोखले मार्ग, दादासाहेब फाल्के मार्ग, गोविंदजी केनी मार्ग, जेरबाई, वाडिया मार्ग, बीजे देओरुखकर मार्ग, सेंट पॉल मार्ग, सेंट जेवियर मार्ग,खाशाबा मार्ग, महादेव पालव मार्ग, जिजीभोय लेन, आचार्य डोंडे मार्ग, विठ्ठल चव्हाण मार्ग, जगन्नाथ भटनकर मार्ग, बटलीवाला गली, शिरोडकर मार्ग,चिवड़ा गली, साने गुरुजी मार्ग, आनंद मालवंकर मार्ग, गैस कंपनी गली।

35 साल की शादीशुदा महिला को सरकारी अधिकारी से हुआ प्यार, दोनों ने एक लॉज में बनाए संबंध, फिर दी धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने शादी का झांसा देकर शादीशुदा महिला से दरिंदगी की। आरोप है कि उस व्यक्ति ने शादीशुदा महिला को धमकी देकर ब्लैकमेल किया और कहा कि अगर तुमने किसी को भी इस बारे में बताया, तो मैं तुम्हारी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा। सोशल मीडिया की वर्चुअल दुनिया में दोस्ती की तलाश करना 35 साल की एक शादीशुदा महिला के लिए बहुत महंगा साबित हुआ है। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक डिप्टी इंजीनियर ने इंस्टाग्राम पर संपर्क बनाने के बाद प्यार का नाटक करके महिला का बार-बार यौन शोषण किया। शहर की पुलिस ने डिप्टी इंजीनियर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जो कि हिंगोली में तैनात है। इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। आरोपी डिप्टी इंजीनियर हिंगोली जिले के अखाड़ा बालापुर में ऊपरी पैगंगा प्रोजेक्ट में कार्यरत था। इस मामले में पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी डिप्टी इंजीनियर की पहली जान-पहचान जुलाई 2025 में इंस्टाग्राम के जरिए पीड़िता से हुई थी। उनकी बातचीत धीरे-धीरे एक करीबी रिश्ते में बदल गई। इसके बाद आरोपी ने प्यार का नाटक किया और शादी के झूठे वादे करके पीड़िता को फंसाया। 16 जुलाई को आरोपी ने पीड़िता को कॉफी पीने के बहाने बाहर बुलाया और अपनी लग्जरी कार में घुमाने ले गया। फिर वह उसे छत्रपति संभाजीनगर शहर के अलग-अलग होटलों में ले गया और उसकी मर्जी के खिलाफ उसके साथ यौन संबंध बनाए। जब पीड़िता ने उससे शादी का वादा पूरा करने के लिए दबाव डालना शुरू किया, तो आरोपी ने अपना असली रंग दिखा दिया। उसने पीड़िता के पति को उनकी निजी व्हाट्सएप बातचीत भेजने की धमकी दी। उसने बार-बार पीड़िता को ब्लैकमेल किया और चेतावनी दी कि अगर उसने इस अफेयर के बारे में किसी से बात की, तो वह उसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। शोषण का यह सिलसिला जुलाई से अक्टूबर 2025 तक चलता रहा। आरोपी के लगातार उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग से तंग आकर पीड़िता ने आखिरकार हिम्मत जुटाई और सिटी चौक पुलिस स्टेशन पहुंची। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने डिप्टी इंजीनियर के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है।

अस्थिर विश्व का आधार बन सकता है भारत : भागवत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि जिस तरह से दुनिया इस समय डावांडोल हो रही है, वैश्विक उथल-पुथल मची है, ऐसे में सुदृढ़ एवं सबल भारत ही विश्व का आधार बन सकता है। इसके लिए भारत को सभी समाजों को साथ लेकर चलना होगा और आदिवासी समाज को विकास की मुख्य धारा में लाना होगा। संघ प्रमुख भागवत आज मुंबई के गेट वे ऑफ इंडिया पर आयोजित 'कर्मयोगी एकल शिक्षक मेला' में वनवासी इलाकों में शिक्षा का प्रसार करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के अवसर पर बोल रहे थे।

■ इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, राज्य के आदिवासी विकास मंत्री प्रो. अशोक उइके और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर भी मौजूद थे। गडकरी के मार्गदर्शन में ही इन एकल विद्यालयों का संचालन किया जाता है। सरसंघचालक ने कहा कि वर्षों से आदिवासी समाज ने हमारी संस्कृति को संभाल कर रखा है और आदिवासी समाज हमें बहुत कुछ देता रहा है। उनकी यही प्रवृति भारत की सनातन संस्कृति की पहचान है और आदिवासियों ने सबका कल्याण करने की इसी प्रवृति को सहेज कर रखा है। उन्होंने कहा कि सेवा उपकार नहीं, हमारा कर्तव्य है। यह स्वयं को विकसित करने का काम है। इसी से हम इंसान बनते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में शिक्षा का यह प्रसार संवेदना से किया जाने वाला कार्य है। यह दया से नहीं, जी तोड़ मेहनत से संभव है। दूसरों की सेवा के लिए कष्ट करना हमारी भारत भूमि का स्वभाव है। हिंदू समाज का यह स्वभाव सनातन काल से है।

■ डॉ. भागवत ने कहा कि सामान्य तौर पर देश के आम लोगों को जो सुविधाएं मिलती है वो आदिवासी समाज को नहीं मिल पातीं। उन्हें देश के मुख्य प्रवाह में लाए बिना समाज का विकास नहीं हो सकता। समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अब राजनीति की व्याख्या बदलने की जरूरत है। पावर पालिटिक्स या सत्ता पाना अब राजनीति नहीं है। राजनीति का अर्थ अब विकास और सामाजिक सेवा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश बदलने के लिये कर्मयोगियों, यानि समाज के पिछड़े शोषित वर्ग के विकास के लिए काम करने वाले लोगों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। 30 साल पहले बाबा आमटे ने गढ़चिरोली जिले में आदिवासियों में शिक्षा के प्रसार की शुरूआत की थी। उस समय उस क्षेत्र में नक्सलवादी आंदोलन का प्रभाव था। स्वर्गीय लक्ष्मण मानकर ने राजनीति छोड़कर शिक्षा के इस आंदोलन को प्राथमिकता दी, और सामजिक आर्थिक रूप से शोषित लोगों में शिक्षा के अभाव को दूर करने के लिए यह कार्य शुरू किया।

■ गडकरी ने बताया कि बिना किसी सरकारी अनुदान के आज 1400 शिक्षक 32000 छात्रों में शिक्षा का प्रसार करते हैं। आदिवासी लड़के-लड़कियों में एक शक्ति होती है लेकिन उन्हें मौका नहीं मिलता था। इसलिए इस समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमता को दूर करने के लिये ह्यमानकर ट्रस्टह्न ने यह कार्य शुरू किया। इस कार्य को अब कुछेक इलाकों से पूरे राज्य में फैलाया जा रहा है, जहां एक लाख छात्रों को 5000 शिक्षक पढ़ाएंगे। बता दें कि नागपुर स्थित ह्यस्वर्गीय लक्ष्मणराव मानकर स्मृति संस्थाह्न अब तक विदर्भ में चलाए जा रहे एकल विद्यालयों को अब पूरे महाराष्ट्र में विस्तारित करने जा रही है। यह संस्था नितिन गडकरी के मार्गदर्शन और मुंबई के जाने-माने व्यवसायी अतुल शिरोडकर की अध्यक्षता में काम करती है। तीन दशक पहले शुरू हुई इस पहल ने विदर्भ के वनवासी इलाकों में शिक्षा की रोशनी फैलाई है। आज, गढ़चिरौली और मेलघाट समेत विदर्भ के दूर-दराज के इलाकों में करीब 1300 स्कूलों के जरिए 30,000 वनवासी विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

नागपुर में आग का तांडव!

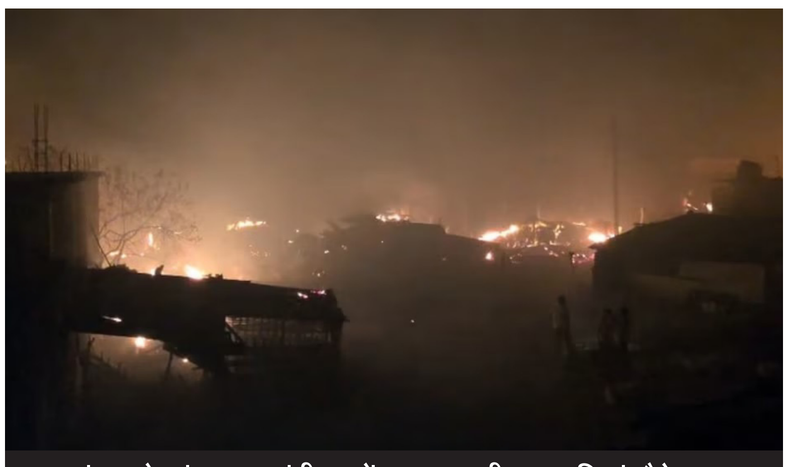

जंगल से गांव तक पहुंची लपटें, दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर जिले के भिवापुर तहसील के धामणगांव गांव में शनिवार शाम भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। तेज हवाओं और आंधी-तूफान के चलते जंगल में लगी आग तेजी से गांव तक पहुंच गई और देखते ही देखते कई घर इसकी चपेट में आ गए। प्राथमिक जानकारी के अनुसार इस आग में सैकड़ों घरों के क्षतिग्रस्त होने की खबर है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

■ दरअसल, शनिवार शाम को मौसम अचानक बदला और तेज हवा के साथ आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान जंगल में लगी आग तेज हवाओं के कारण फैलती हुई धामणगांव गांव तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने रफ्तार पकड़ ली और गांव के कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता के कारण स्थिति पर काबू पाना मुश्किल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। आग की भयावहता का अंदाजा वायरल हो रहे वीडियो से लगाया जा सकता है, जिसमें पूरा गांव आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है।

दमकल विभाग का राहत एवं बचाव अभियान

दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। आग लगने की वजह से गांव में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल जनहानि की कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन घटना को बेहद गंभीर माना जा रहा है। यह घटना नागपुर शहर से करीब 60 किलोमीटर दूर भिवापुर तहसील के धामणगांव गांव की बताई जा रही है। प्रशासन और दमकल विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

वर्दी पहनने से जनता को डराने का हक नहीं मिलता

ट्रैफिक जाम में मंत्री से भिड़ने वाली महिला ने बताई उस दिन की पूरी कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक महिला ट्रैफिक जाम के बीच महाराष्ट्र के एक मंत्री से बहस करती दिख रही थी। इस वीडियो को लाखों लोगों ने देखा और महिला की तारीफ भी हुई। अब उस महिला ने खुद सामने आकर पूरी कहानी बताई है। उनका नाम है टीना चौधरी। उन्होंने बताया कि डेढ़ घंटे तक पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी, उनकी बच्ची अकेली इंतजार कर रही थी और तब जाकर यह नौबत आई। टीना ने बताया कि उन्होंने वहां मौजूद हर पुलिसवाले के पास जाकर मदद मांगी। लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया, कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। उनके शब्द थे कि 'मैं हर एक पुलिस अधिकारी के पास गई, कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, किसी ने नहीं सुना।' वीडियो में एक पल था जब उन्होंने एक बोतल जमीन पर पटकी। उन्होंने इसकी वजह बताई कि यह पुलिस का ध्यान खींचने की कोशिश थी क्योंकि कोई दूसरा तरीका काम नहीं कर रहा था।

21 अप्रैल को क्या हुआ?

टीना चौधरी उस दिन अपनी बेटी को म्यूजिक क्लास छोड़ने गई थीं। शाम 4 बजे उन्होंने बेटी को छोड़ा और 4 बजकर 45 मिनट पर वापस लेने जाना था। लेकिन जब वो वापस निकलीं तो एक जगह के पास उनकी गाड़ी ट्रैफिक जाम में फंस गई। 25 मिनट तक गाड़ी में बैठी रहीं लेकिन कोई हलचल नहीं हुई। तब वो गाड़ी से उतरकर देखने गई कि माजरा क्या है। पता चला कि दो बसें रास्ते में खड़ी हैं और हिल नहीं रही हैं। मंत्री से मुलाकात कैसे हुई? शाम 6 बजकर 15 मिनट हो चुके थे। टीना को अपनी बेटी की चिंता सता रही थी जो अकेले इंतजार कर रही थी। तब उनका सामना महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन से हुआ जो उसी इलाके में किसी रैली में थे। टीना ने कहा कि 'उस पूरी रैली में मिस्टर महाजन अकेले ऐसे इंसान थे जिन्होंने कम से कम मेरी बात सुनने की कोशिश की।' और महाजन के कहने पर ही दोनों बसें हटाई गईं और रास्ता खुला।

मुंबई ड्रग्स ओवरडोज केस: विदेश से लौटते ही मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

गोरेगांव में आयोजित एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग ओवरडोज से दो युवाओं की मौत के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। घटना के बाद से विदेश भागे मुख्य आरोपी महेश खेमलानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब तक इस मामले में कुल 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें इवेंट ऑर्गनाइजर से लेकर ड्रग सप्लायर तक शामिल हैं। पुलिस को संदेह है कि खेमलानी इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा हो सकता है। दरअसल, 11 अप्रैल को गोरेगांव में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट में शामिल हुए 25 टइअ छात्रों के एक ग्रुप में शामिल 28 साल के एक युवक और 24 साल की एक युवती ने 'एक्स्टसी' गोलियां खाईं और एक दिन बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि खेमलानी ने कथित तौर पर मामले के अन्य आरोपियों को ड्रग्स सप्लाई की थी और उन्हें ड्रग्स बेचने से मिली रकम अपनी लिव-इन पार्टनर जिया जैकब के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवाया था।

अब तक 12 लोग पकड़े गए

कौन-कौन हो चुका है गिरफ्तार?

इससे पहले, पुलिस ने टइअ छात्रों रौनक खंडेलवाल और प्रतीक पांडे, इवेंट ऑर्गनाइजर विहान सामल, कॉन्सर्ट वेन्यू के कर्मचारियों सनी जैन और बालकृष्णन कुरुप, कथित ड्रग सप्लायर आनंद पटेल, विनीत गेरलानी और आयुष साहित्य, शुभ अग्रवाल और जैकब को गिरफ्तार किया था। जिसने कथित तौर पर ड्रग्स पहुंचाई थी।

6 मई तक पुलिस हिरासत में

वनराई पुलिस ने बताया कि उन्होंने खेमलानी के लिए 'लुकआउट नोटिस' जारी किया था और उसे गिरफ्तार करने के लिए इमिग्रेशन अधिकारियों की मदद ली थी। खेमलानी को बाद में बोरीवली मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उसे 6 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

40-50 लाख के लेनदेन का मामला आया सामने

पुलिस ने आरोप लगाया कि जैकब के बैंक अकाउंट में 40-50 लाख रुपये के लेन-देन हुए हैं, जिसे खेमलानी भी ऑपरेट करता था। कोर्ट में अपनी दलील में, पुलिस ने कहा कि वे उससे इस पैसे के स्रोत और उन ड्रग्स के स्रोत के बारे में पूछताछ करना चाहते हैं, जिनकी उसने कथित तौर पर सप्लाई की थी।

हांगकांग में रहता था खेमलानी

पुलिस के अनुसार, खेमलानी ज्यादातर समय हांगकांग में रहता है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या उसने दूसरे देशों से भारत में ड्रग्स लाया था और क्या कोई अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट काम कर रहा था। हालांकि, खेमलानी के वकील पंकज जाधव ने कोर्ट को बताया कि उनके क्लाइंट ने मामले के किसी भी अन्य आरोपी के साथ न तो कोई पैसे का लेन-देन किया है और न ही कोई फोन कॉल किया है। बल्कि, वह तो जांच में सहयोग करने के लिए अपनी मर्जी से वनराई पुलिस के सामने पेश हुआ था।

बीड-धाराशिव में पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के बीड और धाराशिव (उस्मानाबाद) जिलों में पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत की खबरें आ रही हैं, जिससे आम जनजीवन और कृषि कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। कई पेट्रोल पंप ह्यनो स्टॉकह्न के बोर्ड के साथ बंद हो गए हैं, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। इस कमी के चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक जालना जिले के शाहगढ़ क्षेत्र से लेकर आसपास के कई पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन उपलब्ध नहीं है। कई पेट्रोल पंपों पर नो स्टॉक के बोर्ड लगे हुए हैं। पेट्रोल और डीजल की कमी के कारण वाहन चालकों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। वहीं जहां कहीं ईंधन उपलब्ध है, वहां पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

पेट्रोल और डीजल न मिलने से भड़के लोग

धाराशिव जिले के कळंब-ढोकी क्षेत्र में भी पेट्रोल-डीजल की गंभीर कमी सामने आई है। कई पेट्रोल पंप ईंधन खत्म होने के कारण बंद पड़े हैं, जिससे खेती और मशागत के काम ठप हो गए हैं। लोगों के सामने गहरा संकट खड़ा हो गया है। ईंधन की कमी का असर लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ रहा है। पेट्रोल और डीजल नहीं मिलने से नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है।

खेती के काम और माल ढुलाई पर बुरा असर

बीड जिले में पिछले तीन दिनों से डीजल की कमी है। कई स्थानों पर डीजल न मिलने के कारण मालवाहक वाहनों के चालकों के साथ-साथ यात्री वाहनों के चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही, बीड जिले से अन्य स्थानों तक कृषि उपज ले जाने में किसानों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। डीजल की भारी कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में खेती के काम और माल ढुलाई पर बुरा असर पड़ा है।

प्रशासन से आपूर्ति बहाल करने की मांग

जहां डीजल उपलब्ध है, वहां भी थोड़ी मात्रा में दिया जा रहा है। ऐसे में लंबी दूरी की यात्रा कैसे की जाए, यह सवाल खड़ा हो गया है। अब चालक प्रशासन से इस संबंध में कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। शनिवार (3 मई) सुबह के समय कई पेट्रोल पंप बंद मिले, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। स्थिति को लेकर स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों पर अब आपूर्ति बहाल करने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

नागपुर के मॉल में लिफ्ट खराब, घंटों फंसे लोग, कांच तोड़कर निकाले गए

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर शहर में एक मॉल की लिफ्ट अचानक बंद हो गई और उसमें फंसे छह लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। मॉल प्रबंधन को बार-बार फोन किया गया लेकिन मदद नहीं आई। आखिरकार मॉल में मौजूद लोगों ने गुस्से में लिफ्ट का शीशा तोड़कर फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। सभी छह लोग सुरक्षित हैं लेकिन इस घटना ने सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा इंतजामों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। नागपुर के सीताबर्डी इलाके में फॉर्चून मॉल है। यहां एक लिफ्ट अचानक बिना किसी चेतावनी के बंद हो गई। उस वक्त लिफ्ट में छह लोग सवार थे। लिफ्ट रुकी तो वो अंदर ही फंस गए। लिफ्ट एक बंद डिब्बे की तरह होती है और जब वो रुक जाती है तो हवा आना बंद हो जाता है। धीरे-धीरे अंदर का माहौल घुटन भरा हो गया। फंसे हुए लोगों ने बताया कि काफी देर तक अंदर बंद रहने की वजह से सांस लेना मुश्किल होने लगा और उन्हें बहुत घबराहट हुई। अंदर फंसे लोगों ने मॉल प्रबंधन को बार-बार फोन किया और मदद मांगी।

मिसिंग लिंक पर सेल्फी लेने के लिए रुकने वालों पर होगी कार्रवाई : अधिकारी

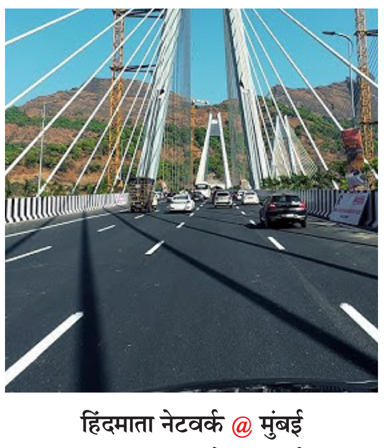

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र राजमार्ग पुलिस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के नवनिर्मित ह्यमिसिंग लिंकह्न मार्ग पर सेल्फी और तस्वीरें लेने के लिए रुकने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। ह्यमिसिंग लिंकह्न की कुल लंबाई 13.3 किलोमीटर है। यह एक्सप्रेसवे के भोर घाट खंड के एक हिस्से को पार करती है तथा मुंबई और पुणे के बीच यात्रा की अवधि को 25-30 मिनट घटाती है। इसका उद्घाटन एक मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किया गया था।

■ महाराष्ट्र राज्य पथ विकास निगम (एमएसआरडीसी) द्वारा संचालित और ह्यह्यइंजीनियरिंग का चमत्कारह्नह्न करार दी गई इस परियोजना में दो सुरंगें हैं और एक केबल पुल है जहां से विभिन्न घाटों की प्राकृतिक सुंदरता दिखती है। इस वजह से कुछ वाहन चालक तस्वीरें और सेल्फी लेने के लिए अपने वाहन रोक देते हैं। राजमार्ग पुलिस ने सेल्फी लेने और तस्वीरें खींचने के लिए रास्ते में रुकने पर प्रतिबंध लगा दिया है और चेतावनी दी है कि उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया जा सकता है और यहां तक कि आपराधिक मामले भी दर्ज किए जा सकते हैं। एक अधिकारी ने बताया, ह्यह्यकई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां यात्रियों ने तस्वीरें खींचने के लिए हाई-स्पीड कॉरिडोर पर अपने वाहन रोक दिए। इस तरह की हरकतें सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं, क्योंकि इस मार्ग पर वाहन आमतौर पर 100-120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलते हैं। सड़क के बीच में अचानक रुकने से दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

शिवसेना और भाजपा 2029 का चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ सकते हैं: महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री एवं शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने शनिवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति में शामिल उनकी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी 2029 का विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ सकती हैं। सामाजिक न्याय मंत्री शिरसाट ने कहा, ह्यक्या भाजपा 2029 में अकेले चुनाव लड़ सकती है? बिल्कुल लड़ सकती है। क्या शिवसेना अकेले मैदान में उतर सकती है? हां, वह भी ऐसा कर सकती है। ऐसा कोई बंधन या समझौता नहीं है कि अगला चुनाव एक खास तरीके से ही लड़ा जाना चाहिए। शिवसेना-भाजपा गठबंधन (2014 में) सिर्फ एक सीट के विवाद के कारण टूटा था। पार्टियों का अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी करने में कुछ भी गलत नहीं है ह्न उन्होंने कहा कि शिवसेना आने वाली चुनौतियों का सामना करने की ताकत रखती है। शिरसाट के कैबिनेट सहयोगी और शिवसेना नेता उदय सामंत ने भी उनकी बातों का समर्थन करते हुए कहा कि इसमें कुछ गलत नहीं है। सामंत ने कहा, ह्यहर पार्टी को विस्तार करने का अधिकार है ह्न भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के संभावित भविष्य को लेकर अपनी कैबिनेट के दो मंत्रियों के बयानों पर टिप्पणी मांगे जाने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस तरह के मामलों पर केवल उनके उपमुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ही बोल सकते हैं। फडणवीस ने कहा, ह्यअगर एकनाथ शिंदे कोई बयान देते हैं तो मुझसे सवाल पूछा जा सकता है, अन्यथा यह सवाल पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता से पूछा जाना चाहिए।

नवी मुंबई में 86 लाख के मादक पदार्थ बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक व्यक्ति के पास से 86 लाख रुपये मूल्य का मेफेड्रोन (नशीला पदार्थ) बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस दल ने शनिवार देर रात करीब दो बजे गश्त के दौरान उल्वे क्षेत्र में एक आवासीय परिसर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। उल्वे थाने के एक अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके पास से 344 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद हुआ जिसकी कीमत करीब 86 लाख रुपये है।

मुलुंड में प्रेम संबंध के संदेह में एक व्यक्ति की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

उत्तर-पूर्वी मुंबई के मुलुंड में 24 वर्षीय एक युवक की कथित रूप से प्रेम प्रसंग के संदेह में चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह वारदात शनिवार रात जे एन रोड पर सैनाथ प्लाजा के समीप हुई। उन्होंने कहा,ह्यह्यआरोपी राकेश धीवर को संदेह था कि उसकी पत्न ी और संतोष कुमार वकील बिंद के बीच प्रेम संबंध है। शनिवार रात को इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो चाकूबाजी में तब्दील हो गई और बिंद की मौत हो गई। धीवर को गिरफ्तार कर लिया गया है ह्नह्न अधिकारी ने बताया कि इस हत्याकांड की जांच की जा रही है।

हिंदमाता एंकर: सड़क पर फैले तेल की वजह से एक बाइक फिसल गई, जिसमें सवार युवक और महिला गिरकर घायल हो गए

एयरपोर्ट के पास वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर ऑयल स्पिल, बाइक फिसली - लंबा जाम

इस्माईल शेख @ मुंबई

रविवार को वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर मुंबई एयरपोर्ट के पास ऑयल स्पिल होने से बड़ा ट्रैफिक जाम लग गया। सड़क पर फैले तेल की वजह से एक बाइक फिसल गई, जिसमें सवार युवक और महिला गिरकर घायल हो गए। इस घटना के बाद नॉर्थबाउंड लेन पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

ऑयल स्पिल से हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवे पर अचानक तेल फैल गया था, जिससे सड़क बेहद फिसलन भरी हो गई। इसी दौरान एक बाइक स्लिप होकर गिर गई। बाइक सवार युवक और महिला सड़क पर गिर पड़े और उन्हें चोट आई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई।

घायलों को मिली मदद, एम्बुलेंस पहुंची

घटना के कुछ ही देर बाद मौके पर एम्बुलेंस पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों को आगे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सहार और सेंटौर ब्रिज के पास ट्रैफिक प्रभावित

ऑयल स्पिल के कारण खासतौर पर सहार और सेंटौर ब्रिज के पास ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई। नॉर्थबाउंड साइड पर गाड़ियां रेंगती नजर आईं। कई जगहों पर 30 से 45 मिनट तक वाहन एक ही जगह फंसे रहे।

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया अलर्ट

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही अलर्ट जारी किया और संबंधित विभाग को सूचना दी। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे इस मार्ग से यात्रा करने से बचें और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें। इसमें एस. वी. रोड, लिंक रोड, जोगेश्वरी-विखरोली लिंक रोड (जेवीएलआर) जैसे वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह जारी की गई।

हाईवे पर ऑयल स्पिल बना खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि हाईवे पर ऑयल स्पिल बेहद खतरनाक होता है। इससे वाहनों की पकड़ (ग्रीप) कम हो जाती है और हादसे की संभावना कई गुना बढ़ जाती है, खासकर दोपहिया वाहनों के लिए।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे मामले

मुंबई में इससे पहले भी कई बार ऑयल स्पिल के कारण हादसे हो चुके हैं। बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आने से सवाल उठ रहा है कि सड़क सुरक्षा के लिए तुरंत और प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे। एयरपोर्ट के पास वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर हुआ यह हादसा एक बार फिर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े करता है। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई कर सड़क को सुरक्षित बनाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके। फिलहाल, यात्रियों को सतर्क रहने और सुरक्षित ड्राइविंग करने की सलाह दी गई है।

विचार प्रवाह

खुशी तब होती है जब आपके विचार, आपके शब्द और आपके कर्म आपस में सामंजस्य में हों।

- महात्मा गांधी

संपादकीय

शिक्षकों के बिना शिक्षा, करीब 10 लाख पद खाली

यह निराशाजनक है कि राज्यों में शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति को फिर से चिंता जतानी पड़ी। इस समिति ने पिछले वर्ष भी स्कूली शिक्षकों के खाली पड़े पदों पर चिंता जताते हुए उन्हें इस वर्ष मार्च तक भरने की आवश्यकता पर बल दिया था, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया और इसीलिए अब इस समिति ने शिक्षकों के खाली पद भरने में देरी करने वाले राज्यों की वित्तीय मदद रोकने का सुझाव दिया है। समिति के अनुसार जब तक राज्य शिक्षकों के खाली पद नहीं भरते, तब तक उन्हें समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय मदद न दी जाए। यदि ऐसा किया जाता है तो यह भी संभव है कि राज्य वित्तीय सहायता के अभाव में रिक्त शिक्षकों के पद भरने में और अधिक सुस्ती दिखाएं। यह ध्यान रहे कि संसदीय समिति की तरह से शिक्षा मंत्रालय भी राज्यों से शिक्षकों के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने का आग्रह कर चुका है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह सामान्य बात नहीं कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शिक्षकों के करीब दस लाख पद खाली पड़े हैं। इनमें लगभग साढ़े सात लाख पद प्राथमिक शिक्षकों के है। इसका अर्थ है कि शिक्षा की बुनियाद ही कमजोर की जा रही है। यह एक विडंबना ही है कि शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने में पिछले कई वर्षों से ढिलाई बरती जा रही है। यह ढिलाई यही बताती है कि राज्य सरकारें स्कूली शिक्षा की दशा-दिशा सुधारने के प्रति गंभीर नहीं। उनकी इस अगंभीरता का परिचय उन सर्वेक्षणों से मिलता है, जो प्राथमिक शिक्षा की दयनीय दशा को रेखांकित करते रहते हैं। ये सर्वेक्षण यह बताते रहे हैं कि किस तरह चौथी-पांचवीं के छात्रों को सामान्य जोड़-घटाव करने में कठिनाई होती है या फिर वे दो-तीन वाक्य भी सही तरह नहीं लिख पाते। यह ठीक नहीं कि राज्य सरकारें समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूली शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए वित्तीय मदद तो लें, पर शिक्षकों के रिक्त पद भरने में आनाकानी करें। यह विचित्र है कि जो काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, वही एजेंडे से बाहर दिखता है। इसका प्रमाण यह है कि कुछ राज्यों में कई वर्षों से बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली बने हुए हैं। जैसे उत्तर प्रदेश में 2.17 लाख पद खाली हैं। बिहार में 1.92 लाख शिक्षकों के पद रिक्त हैं तो झारखंड में 72 हजार और मध्य प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल में 55-55 हजार। अपेक्षाकृत संपन्न और छोटे राज्य हरियाणा में भी 15 हजार शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। शिक्षकों के खाली पद भरने में कोताही एक तरह से देश की भावी पीढ़ी के भविष्य के साथ जानबूझकर किया जा रहा खिलवाड़ ही है।

आज का इतिहास

- 1896 - लंदन डेली मेल का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।
- 1897 - फ्रांस में पेरिस बाजार में आग लगने से करीब 200 लोगों की मौत हुई।
- 1924 - पेरिस में आठवें ओलिम्पिक खेलों की शुरूआत हुई।
- 1945 - जर्मनी की सेना ने नीदरलैंड, डेनमार्क और नार्वे मे आत्मसमर्पण किया।
- 1959 - पहला ग्रैमी अवॉर्ड आयोजित हुआ।
- 1979 - श्रीमती मार्गरेट थैचर ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
- 1980 - यूगोस्लाविया में मार्शल टीटो का निधन। कोल माइंस डे की घोषणा हुई।
- 1983 - चीन ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1989 - अमेरिकी अंतरिक्ष यान एफटीएस-30 का प्रक्षेपण हुआ।
- 1994 - काहिरा में इस्त्रायल एवं फि लिस्तीनी नेताओं द्वारा फि लिस्तीनी स्वायत्तता से संबंधित ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर।
- 1999 - भूमिगत बारूदी सुरंगों के उत्पादन पर प्रतिबंध लगाने के लिए ओटावा संधि के सभी हस्ताक्षरकर्ता देशों की पहली बैठक मापूतो (मोजाम्बिक) में शुरू।
- 2003 - मैक्सिको की अन्ना गुएवेरा ने 35.30 सेकेण्ड का समय लेकर ग्रांप्री मीटर की 300 मीटर दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया।
- 2007 - बैंकॉक में ग्लोवल वार्मिंग पर बैठक सम्पन्न।
- 2008 - सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी 'सेल' ने भारतीय इस्पात गठबंधन से अपने को अलग किया। म्यांमार की राजधानी रंगून व आसपास के क्षेत्रों में आये भीषण चक्रवाती तूफान नरगिस ने भारी तबाही मचायी। लोकप्रिय पोर्टल 'याहू' को खरीदने के लिए प्रयत्नशील माइक्रोसॉफ़्ट कॉरपोरेशन ने अपना प्रस्ताव वापस लिया।

जानलेवा लापरवाही, सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी नहीं

जबलपुर में बरगी बांध में एक क्रूज के डूबने से नौ पर्यटकों की मौत को केवल हादसे की संज्ञा देना सच से मुंह मोड़ना होगा, क्योंकि यदि पर्याप्त सतर्कता बरती गई होती तो जनहानि से बचा जा सकता था। यह क्रूज इसलिए डूबा, क्योंकि तेज आंधी से वह असंतुलित हो गया, लेकिन किसी के लिए भी समझना कठिन है कि खराब मौसम की सूचना के बाद भी क्रूज का संचालन क्यों किया गया? इससे भी गंभीर प्रश्न यह है कि क्रूज की सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी क्यों नहीं किए गए?

■ क्रूज में लाइफ जैकेट थीं, लेकिन उन्हें पर्यटकों को पहनने के लिए निर्देशित ही नहीं किया गया। हादसे में किसी तरह बचे और बचाए गए लोगों की मानें तो लाइफ जैकेट तब दी गईं, जब क्रूज डूबने लगा। स्पष्ट है अफरातफरी के माहौल में लोगों को या तो उन्हें पहनने का अवसर नहीं मिला होगा या फिर वे उन्हें सही तरह पहन नहीं सके होंगे। क्रूज डूबने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे बचाव दल को लाइफ जैकेट एक बंडल में बंधे मिले।

■ आखिर यह जानलेवा लापरवाही नहीं तो और क्या है? चूंकि बरगी बांध में डूबा क्रूज मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से संचालित किया जा रहा था, इसलिए संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह बनाना होगा। केवल घटना पर शोक जताने या फिर मारे गए लोगों के परिवार वालों को मुआवजा देने की घोषणा मात्र से कर्तव्य की इतिश्री नहीं की जानी चाहिए।

■ मध्य प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जबलपुर हादसे के लिए जिम्मेदार लोग बचने न पाएं। इसके साथ ही उसे सभी पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए। इसकी अनदेखी न की जाए कि अतीत में भी राज्य के अन्य पर्यटन स्थलों में हादसे हो चुके हैं और उनमें लोगों की जान गई है। कम से कम तीन हादसे तो पिछले साल ही हो चुके हैं।

■ पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुरक्षा के मामले में केवल मध्य प्रदेश सरकार को ही नहीं, अन्य राज्य सरकारों को भी चेतना चाहिए, क्योंकि ऐसे स्थलों में सुरक्षा की कमी के चलते रह-रहकर दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं। कुछ ही दिनों पहले मथुरा में यमुना में स्टीमर के पलटने से 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसी माह के प्रारंभ में हिमाचल के कुल्लू में पर्यटकों से भरी ट्रैवलर नाले में गिरने से चार लोगों की जान गई थी। खराब सड़कों और खतरनाक ढंग से ड्राइविंग के चलते तो प्रायः ही वाहन खाई में गिरते रहते हैं।

■ वास्तव में अपने देश में कहीं पर कभी भी हादसा होने की आशंका बनी ही रहती है। ऐसा आम तौर पर सुरक्षा उपायों की अनदेखी और सतर्कता के अभाव के चलते होता है। यह कहने में हर्ज नहीं कि भारत में हर स्तर पर सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने का शर्मनाक सिलसिला कायम है।

साइबर ठगों के साथी

कानपुर में चार बैंक मैनेजरों समेत आठ साइबर ठगों की गिरफ्तारी इस आशंका की पुष्टि करती है कि बैंक कर्मियों और आनलाइन ठगी करने वालों में मिलीभगत कायम हो गई है। आमतौर पर साइबर ठग ठगी की रकम इधर-उधर करने के लिए किसी अन्य के खातों यानी म्यूल खातों का सहारा लेते हैं। ऐसे तमाम खाते बैंक अधिकारियों की साठगांठ से खुलते हैं। कानपुर का प्रसंग पहला ऐसा प्रकरण नहीं, जिसमें साइबर ठगी के किसी मामले में बैंक अधिकारियों की भूमिका पाई गई हो। हाल के समय में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, जो यह बताते हैं कि बैंक अधिकारी साइबर ठगों से मिलकर फर्जी या म्यूल खाते खुलवाते हैं। कुछ समय पहले लखनऊ में एक बैंक मैनेजर समेत चार लोगों को साइबर धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

■ इसी तरह तेलंगाना पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर साइबर ठगों से मिलीभगत में दो बैंकों के मैनेजरों को गिरफ्तार किया था। ये बिना सत्यापन के खाते खुलवाते थे और इसके बदले साइबर ठगों से कमीशन लेते थे। कुछ बैंक मैनेजर डिजिटल अरेस्ट के जरिये की जाने वाली ठगी के मामले में भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की संदिग्ध भूमिका का सबसे पहले उल्लेख सुप्रीम कोर्ट ने तब किया था, जब वह डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की जाने वाली ठगी के मामलों की सुनवाई कर रहा था। उसके आदेश-निर्देश के बाद साइबर ठगों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू हुई और उनकी गिरफ्तारियां भी हुईं। इसके अतिरिक्त रिजर्व बैंक के निर्देश पर भी बैंकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ऐसी पहल शुरू की, जिससे ठगी का पैसा द्रुत गति से एक खाते से दूसरे और दूसरे से तीसरे में हस्तांतरित हो तो बैंकों को इसकी भनक लग जाए, पर यह ध्यान रहे कि साइबर ठग धोखाधड़ी के नए-नए तौर-तरीके इस्तेमाल करने में माहिर हैं।

■ चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि साइबर ठग आनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सक्रिय एजेंसियों को मात देने के लिए अपने तौर-तरीके बदल सकते हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहना होगा। वैसे भी यह देखने को मिलता रहा है कि पुलिस एवं अन्य एजेंसियां डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-पात। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि साइबर ठग भी एआइ समेत अन्य आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने में सक्षम हैं। इसी कारण वे विदेश में बैठकर भी साइबर ठगी को अंजाम देते रहते हैं। साइबर ठगों की धरपकड़ में तेजी आने के बाद भी यह शुभ संकेत नहीं कि उनके दुस्साहस में कोई कमी आती नहीं दिखती। साइबर ठगी पर लगाम लगाने के लिए एजेंसियों की अपनी सक्रियता का स्तर बढ़ाने के साथ यह भी आवश्यक है आम लोगों को कम से कम इतना तो पता होना ही चाहिए कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई प्रक्रिया नहीं होती।

आजीविका का संकट बढ़ाएगी बढ़ती गर्मी

एक हालिया आकलन के अनुसार दुनिया के सौ सबसे गर्म शहरों में से 98 भारत में हैं। भीषण गर्मी अपने साथ तमाम मुश्किलें लाती हैं। ये मुश्किलें उस तबके के लिए और विकराल बन जाती हैं, जिन्हें आजीविका के लिए खुले आसमान के नीचे काम करना पड़ता है। स्वाभाविक है कि उनके समक्ष आजीविका का संकट पैदा होता है, क्योंकि उनके लिए किए जाने वाले उपाय पर्याप्त नहीं होते। इससे न केवल श्रमिकों, बल्कि देश की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कई शोध भी इसी ओर संकेत करते हैं। इस समस्या का समाधान तलाशने की दिशा में इनके निष्कर्षों पर विचार किया जाना चाहिए। इसमें पहला पैमाना शारीरिक पहलुओं से जुड़ा है।

■ श्री रामचंद्र संस्थान की विद्या वेणुगोपाल, पीके लता और रेखा षणमुगम का 2026 से संबंधित एक अध्ययन 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है। इसमें तमिलनाडु के 11 जिलों के उन 1,560 श्रमिकों की गतिविधियों पर दो वर्ष तक नजर रखी गई, जिन्हें कामकाज के लिए बाहर निकलना पड़ता था। अध्ययन में सामने आया कि गर्मियों के दौरान औसत तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस था, जो 27.5 डिग्री सेल्सियस की अधिकतम बर्दाश्त योग्य सीमा से भी ऊपर था। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तापमान की इस सीमा से ऊपर निरंतर भारी काम करना असुरक्षित माना जाता है। पर्यवेक्षण समीक्षा के अधीन 88 प्रतिशत श्रमिकों को इस उच्च तापीय परिस्थितियों में काम करना पड़ा।

■ इनमें से 61 प्रतिशत की उत्पादकता में गिरावट दर्ज की गई। भीषण गर्मी के संपर्क में आने वाले श्रमिकों की उत्पादकता में गिरावट की आशंका भी डेढ़ गुना अधिक थी। इनमें 15 प्रतिशत कर्मियों के समक्ष रोजगार छिनने का संकट भी मंडराया, जबकि सर्दियों में उनका प्रतिशत 9.3 ही रहा। दूसरा पहलू वृहद आर्थिक स्तर से जुड़ा है। जर्नल आफ पालिटिकल इकोनमी में सोमनाथन और उनकी टीम का 'उत्पादकता और श्रम आपूर्ति पर तापमान के प्रभाव' शीर्षक से एक शोध प्रकाशित हुआ था। इसमें सूरत के बुनकरों, एनसीआर और हैदराबाद की गारमेंट-सिलाई लाइनों और भिलाई मिल में स्टील शिफ्टों की परिस्थितियों का विश्लेषण किया गया। इसका निष्कर्ष यह था कि तापमान में प्रति डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर वार्षिक फैक्ट्री उत्पादन में लगभग दो प्रतिशत की गिरावट आई।

■ हालांकि यह डाटा 2012 तक का ही है, पर इसके निष्कर्षों का निहितार्थ यह है कि गर्मियों का असर पूंजी या कच्चे माल से अधिक श्रम उत्पादकता पर कहीं गहरा पड़ता है। स्पष्ट है कामकाजी स्थल के भीतर एयर कंडीशनर उत्पादकता में गिरावट को तो थाम सकता है, पर उपस्थिति को नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि एसी वाले कार्यस्थल से निकलकर श्रमिकों को आम तौर पर उन्हीं आवासों में जाना पड़ता है, जहां ऐसी सुविधा नहीं होती और पारा अमूमन 45 डिग्री को पार कर जाता है।गर्मी का तीसरा पहलू मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा है। इंडिया डेवलपमेंट रिव्यू में 2024 और 2025 के दौरान सामने आया कि दीमापुर में रेहड़ी लगाने वाली 60 प्रतिशत महिलाओं की सब्जियां गर्मियों में एक ही दिन में खराब हो जाती थीं, जबकि सामान्य दिनों में वे दो-तीन चलती थीं। दिल्ली में 11 से 19 जून, 2024 की हीटवेव में 192 बेघर लोगों की मौत हो गई थी। द लैंसेट काउंटडाउन आन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की अक्टूबर 2025 की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत ने 2024 में भीषण गर्मी के चलते 247 अरब कामकाजी घंटों का नुकसान झेला, जो 1990 के दशक के औसत की तुलना में 124 प्रतिशत अधिक रहा। कृषि क्षेत्र को इसका दो तिहाई और कंस्ट्रक्शन उद्योग को 20 प्रतिशत नुकसान उठाना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भीषण गर्मियों के चलते 2030 तक उत्पादकता पर होने वाला आघात आठ करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर होगा।

प्रेरक प्रसंग

अपनी बुराई सुनकर परेशान नहीं होना चाहिए, अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुई तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं

संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

राशिफल

मेष– आज के दिन ऑफिस में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा और आर्थिक रूप से आपकी लाइफ स्टेबल रहेगी। आपके प्रेम संबंध में परेशानी के कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं। अपने स्वास्थ्य के बारे में सावधान रहें। गलत व्यवहार को अपने रिश्ते में न आने दें।

वृषभ– आज के दिन प्यार में ईमानदार रहें और इससे आपके रिश्ते पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रोमांटिक रिश्ते और ज्यादा मजबूत होंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी और आप धन के मामले में भी अच्छे मौके प्राप्त करेंगे।

मिथुन– आज के दिन आप प्रपोज कर सकते हैं या कोई प्रपोजल प्राप्त कर सकते हैं। कार्यस्थल पर छोटी-मोटी चुनौतियां आएंगी लेकिन उनसे कुशलता से निपटने में आपको सफलता मिलेगी। आर्थिक सफलता मिलेगी।

कर्क– आज के दिन एक रोमांटिक मोमेंट बिताएं, जहां आपकी लव लाइफ शानदार रहेगी। ऑफिस की पॉलिटिक्स से बचें और सुनिश्चित करें कि आपको प्रत्येक प्रोफेशनल काम में सफलता मिले। आर्थिक स्थिरता भी रहेगी। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहने वाला है।

सिंह– आज के दिन आपको इंटरव्यू के लिए कॉल या सकती है। कोई रिश्तेदार या भाई-बहन आर्थिक मदद की मांग भी कर सकता है और आप उसे मदद दे सकते हैं। कुछ प्रोफेशनल आज नौकरी के सिलसिले में बहुत यात्रा करेंगे। रोमांस पर फोकस करें।

कन्या–आज के दिन अपनी रोमांटिक लाइफ का ख्याल रखें। प्रोफेशनल रहें और आपको आगे बढ़ने के अवसर दिखाई देंगे। वित्तीय स्टेबिलिटी के बावजूद आपको भविष्य के लिए पैसा बचाने की जरूरत है।

तुला– आज के दिन कुछ भाग्यशाली जातकों को पारिवारिक संपत्ति विरासत में मिल सकती है। विद्यार्थियों को परीक्षा पास करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता हो सकती है। कोई नई एक्टिविटी ट्राई करें।

वृश्चिक– आज के दिन आपके लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का दिन है। जीवन के हर पहलू में, प्यार से लेकर काम तक, स्वास्थ्य से लेकर वित्त तक, अवसर प्राप्त करने के लिए तैयार रहें। अवसरों का लाभ उठाएं।

धनु– आज दिन वित्तीय समृद्धि रहेगी। आपको फ्रीलांसिंग या पार्ट टाइम बिजनेस से एक्स्ट्रा इंकम मिल सकती है। प्रेम जीवन में आज कोई बड़ी अड़चन परेशानी का कारण नहीं बनेगी। यह सप्ताह निवेश के लिए अच्छा है लेकिन स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर विशेष ध्यान दें।

मकर– आज के दिन वित्तीय समृद्धि रहेगी क्योंकि आप कई स्रोतों से धन का अच्छा प्रवाह देखेंगे। बेहतर करियर ग्रोथ सुनिश्चित करने के लिए प्रोफेशनल अवसरों का उपयोग करें। प्यार के मामले में आप अच्छे हैं।

कुंभ– आज के दिन आपके इनोवेटिव आइडियाज अच्छे भाग्य को आकर्षित करेंगे। कार्यस्थल पर विवादों से बचने के लिए सावधान रहें। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, लेकिन आपको खर्चों पर लगाम लगाने की आवश्यकता होगी। बाहर का खाना खाने से बचें।

मीन– आज के दिन स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। ऑफिस में आर्थिक मामलों को संभालने वालों को सावधान रहने की जरूरत है। विवाहित मीन राशि वालों को सावधान रहने की जरूरत है कि वे ऐसी किसी भी चीज में शामिल न हों, जो उनके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकता है।

जबलपुर क्रूज हादसाः मौत भी न जुदा कर सकी ममता की डोर

एक ही कब्र में मां और बेटा

हिंदमाता नेटवर्क @ जबलपुर

जबलपुर स्थित बरगी बांध में मारे गए मसीह परिवार की तीन पढ़ीयों से ताल्लुक रखने वाले तीन सदस्यों मधुर मसीह, उनकी बेटी मैरिना और चार वर्षीय नाती त्रिशान के शव शनिवार को जब एम्बुलेंस से मायापुरी स्थित खजान बस्ती की तंग गलियों में पहुंचे, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें भी छलक उठीं। इस हादसे की सबसे मर्मस्पर्शी और रूह कंपाने वाली तस्वीर वह थी, जिसमें डूबते वक्त भी मां मैरिना ने अपने चार साल के बेटे त्रिशान को अपनी छाती से कसकर चिपका रखा था। लहरों के थपेड़े और मौत का खौफ भी ममता की उस पकड़ को कमजोर नहीं कर सका। इस दृश्य ने वहां मौजूद हर शख्स का कलेजा चीर दिया। अंत में परिवार ने तय किया कि जिस ममता ने मौत के समय साथ नहीं छोड़ा, उसे विदाई भी साथ दी जाए। द्वारका स्थित ईसाई कब्रिस्तान में मां और बेटे को एक ही कब्र में दफनाया गया, ताकि अनंत यात्रा में भी बेटा अपनी मां की गोद में सुरक्षित रहे। हादसे में जीवित बचे परिवार के मुखिया जूलियस मसीह, दामाद प्रदीप और मासूम प्रदीप की बेटी सिया की स्थिति शब्दहीन है। अपनी आंखों के सामने अपनों को डूबते देखने का सदमा इतना गहरा है कि वे किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। जब लोगों ने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की, तो उन्होंने हाथ जोड़कर सिर्फ इतना कहा हमें शोक मनाने दीजिए। बाद में बात करेंगे।

गहरा शोक और अंतिम प्रार्थना

द्वारका स्थित इसाई कब्रिस्तान में पादरी द्वारा की गई प्रार्थना और धार्मिक रीति-रिवाजों के बीच जब परिजनों ने कांपते हाथों से ताबूतों पर मिट्टी डाली, तो पूरा कब्रिस्तान सिसकियों से गूंज उठा। हर जुबान पर बस एक ही दुआ थी कि ईश्वर ऐसा वज्रपात किसी दुश्मन पर भी न करे।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में बड़ा हादसा, ड्राइवर को आया हार्टअटैक

पलटी बस, 40 लोग घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में एक बड़ा हादसा हो गया। रविवार सुबह एक निजी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस चंबा से ऊना रूट पर जा रही थी। इसमें 40 लोग घायल हुए है। नूरपुर के न्याजपुर में बस ड्राइवर को हार्ट अटैक हो गया, इस कारण बस अनियंत्रित होकर पलट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बस में सवार लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घायलों का सिविल अस्पताल नूरपुर में उपचार किया जा रहा है। सुबह करीब 11 बजे जब बस नूरपुर के न्याजपुर के पास पहुंची तो अचानक चालक की तबीयत बिगड़ गई। चश्मदीदों और पुलिस के मुताबिक ड्राइवर को अचानक हार्ट अटैक आया। इसके चलते बस लहराते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। बस के पलटते ही चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर खिड़कियां तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया

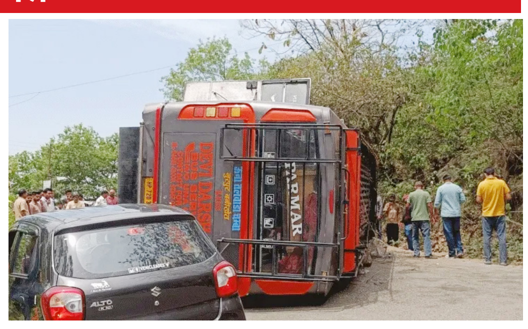

300 पहुंचेगा पाकिस्तानी रुपया! कंगाल पाक पर मंडराया बड़ा खतरा

रसातल में जा रही अर्थव्यवस्था

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

डॉन (Dawn) की एक रिपोर्ट के अनुसार, मध्य पूर्व में चल रहे मौजूदा संकट और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण पाकिस्तान की संघर्षरत अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बना रहने की आशंका है। टॉपलाइन सिक्योरिटीज ने शनिवार को जारी अपनी नवीनतम ₹पाकिस्तान स्ट्रैटेजी₹ रिपोर्ट में देश की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार पर ऊर्जा लागत में वृद्धि और क्षेत्रीय अस्थिरता के प्रभाव का एक बेहद निराशाजनक आकलन प्रस्तुत किया है। ब्रोकरेज फर्म ने चेतावनी दी है कि इस स्थिति में सुधार तभी संभव है जब इस वैश्विक संघर्ष का तत्काल और शांतिपूर्ण समाधान हो।

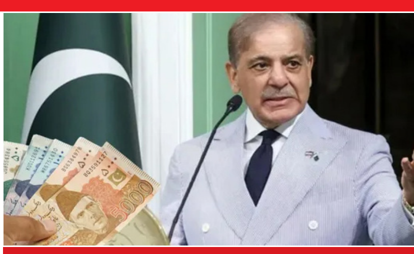

आर्थिक विकास पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

बढ़ती महंगाई और अस्थिरता के कारण पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर (GDP Growth) धीमी होने की प्रबल आशंका है। टॉपलाइन सिक्योरिटीज ने FY27 के लिए अपने GDP पूर्वानुमान को 4.0% के पुराने अनुमान से घटाकर 2.5 से 3.0% कर दिया है। वहीं FY26 के लिए विकास दर 3.5 से 4.0% के बीच रहने का अनुमान है। औद्योगिक क्षेत्र विशेष रूप से कमजोर बना हुआ है, जिसकी विकास दर लगभग 4% से गिरकर मात्र 1% रहने का अंदेशा है।

महंगाई पर कच्चे तेल की कीमतों का क्या असर होगा?

ANI की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में महंगाई पाकिस्तान के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी रहेगी। अगले साल महंगाई दर औसतन 9 से 10% के बीच रह सकती है। वित्तीय वर्ष 2026 (FY26) की चौथी तिमाही में इसके 11% से अधिक होने की उम्मीद है। ये अनुमान कच्चे तेल की $100 प्रति बैरल कीमत पर आधारित हैं। कच्चे तेल में हर $10 की वृद्धि महंगाई में लगभग 50 बेसिस पॉइंट्स (0.50%) का इजाफा करेगी। अगर तेल की कीमतें $120 प्रति बैरल तक पहुंच जाती हैं, तो वार्षिक महंगाई दर 11% को छू सकती है। ऐसे में स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (SBP) को ब्याज दरों में भारी बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

करंट अकाउंट और राजकोषीय घाटे की क्या स्थिति है?

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर पाकिस्तान सरकार सख्त आयात नियंत्रण लागू करने में विफल रहती है, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। FY27 के लिए करंट अकाउंट घाटा $8 बिलियन को पार कर सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव और बढ़ेगा। FY26 के लिए राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) GDP के 4.0% से 4.5% के बीच रहने की उम्मीद है, जो अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों से कहीं अधिक है।

पाकिस्तान शेयर बाजार का प्रदर्शन इतना खराब क्यों है?

आयातित ऊर्जा पर देश की भारी निर्भरता के कारण पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज दुनिया के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक बन गया है। पाकिस्तान अपनी कुल ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85% आयात करता है। FY26 में पेट्रोलियम आयात का बिल $15 बिलियन तक पहुँचने का अनुमान है। इसी भारी निर्भरता और आर्थिक अनिश्चितता के कारण साल की पहली तिमाही में शेयर बाजार में 15% की भारी गिरावट दर्ज की गई।

विदेशी मुद्रा, निर्यात और पाकिस्तानी रुपये का क्या भविष्य है?

विदेशों से आने वाले धन में 3.5% की गिरावट का अनुमान है। विशेष रूप से खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) क्षेत्र से आने वाले धन में 10% की बड़ी गिरावट की उम्मीद है। देश के निर्यात में भी 4% की गिरावट का अनुमान जताया गया है।

डील पर सस्पेंस, लेकिन धमकी बरकरार ट्रंप बोले- ईरान ने गलती की तो फिर होंगे हमले

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ एक संभावित समझौते की रूपरेखा उन्हें बताई गई है, लेकिन वे अभी पूरे और लिखित प्रस्ताव का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान गलत हरकत करता है, तो अमेरिका फिर से उस पर हमला शुरू कर सकता है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच से मियामी रवाना होते समय पत्रकारों से कहा कि उन्हें डील का कॉन्सेप्ट बताया गया है और जल्द ही पूरी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान का प्रस्ताव स्वीकार करने लायक है, क्योंकि उनके मुताबिक ईरान ने अब तक अपने कामों की कम कीमत चुकाई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे फिर से ईरान पर हमला कर सकते हैं, तो उन्होंने कहा कि वह इस बारे में साफ जवाब नहीं देना चाहते, लेकिन यह विकल्प अभी भी खुला हुआ है।

ईरान ने क्या प्रस्ताव दिया था?

दूसरी तरफ एक सीनियर ईरानी अफसर ने बताया था कि ईरान ने एक नया प्रस्ताव दिया था, जिसे फिलहाल ट्रंप ने खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए तैयार है, ताकि वहां से जहाजों की आवाजाही दोबारा शुरू हो सके। बदले में ईरान चाहता है कि अमेरिका उसकी समुद्री नाकेबंदी खत्म करे। ईरान ने यह भी कहा है कि उसके परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत बाद में की जा सकती है। यानी पहले स्ट्रेट खोलने और तनाव कम करने पर ध्यान दिया जाए, फिर परमाणु मुद्दों पर चर्चा हो।

प्रस्ताव में ईरान के 14 डिमांड

पिछले कुछ दिनों में आई खबरों के मुताबिक, ईरान ने यह प्रस्ताव मध्यस्थों के जरिए अमेरिका को भेजा है। इस प्रस्ताव में कुल 14 मांगें शामिल हैं। इनमें अमेरिका की सैन्य मौजूदगी को ईरान के आसपास के इलाकों से हटाना, आर्थिक प्रतिबंध खत्म करना, ईरान की जब्त की गई संपत्तियों को वापस देना और युद्ध से हुए नुकसान का मुआवजा शामिल है। इसके अलावा, ईरान ने लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के लिए नया कंट्रोल सिस्टम बनाने की भी बात कही है। 8 अप्रैल अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर अपने हमले रोक दिए थे, लेकिन अब तक कोई पक्का समझौता नहीं हो पाया है। इस टकराव का असर पूरी दुनिया पर पड़ा है, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट से दुनिया का करीब 20% तेल और गैस गुजरता है।

संकट में दक्षिणकोरिया की एयर फोर्सः 900 पायलट छोड़ गए नौकरी

देश की रक्षा तैयारियों पर उठे सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया में वायुसेना को बड़ा झटका लगा है। पिछले लगभग एक दशक में करीब 900 पायलट बेहतर वेतन और सुविधाओं के लिए सिविल एयरलाइंस में नौकरी करने चले गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, Republic of Korea Air Force के 896 अनुभवी पायलटों ने 2017 से मार्च 2026 के बीच स्वेच्छा से सेवा छोड़ दी। इन पायलटों के पास 8 से 17 साल का अनुभव था और वे नए पायलटों को ट्रेनिंग देने में भी सक्षम थे। इनमें सबसे ज्यादा 730 फाइटर पायलट थे, जबकि 148 कार्गो पायलट और 18 हेलीकॉप्टर (रोटरी-विंग) पायलट शामिल हैं। यह स्थिति देश की रक्षा तैयारियों के लिए चिंता का विषय मानी जा रही है। ज्यादातर पायलट Korean Air और Asiana Airlines जैसी बड़ी एयरलाइंस में शामिल हो गए। कुछ पायलट लो-कॉस्ट एयरलाइंस में भी गए हैं। रिपोर्ट बताती है कि कोरोना महामारी से पहले हर साल लगभग 100 पायलट वायुसेना छोड़ते थे, लेकिन 2021 में यह संख्या घटकर सिर्फ 7 रह गई थी। इसके बाद फिर से यह संख्या बढ़ने लगी और 2026 में भी यह ट्रेंड जारी है। पायलटों के नौकरी छोड़ने के मुख्य कारणों में एयर फोर्स और सिविल एयरलाइंस के बीच वेतन में बड़ा अंतर, सैन्य नौकरी का जोखिम और लगातार इमरजेंसी ड्यूटी का तनाव शामिल है। इस समस्या को रोकने के लिए वायुसेना ने पायलटों के लिए अनिवार्य सेवा अवधि यर फोर्स अकादमी के पायलटों के लिए 15 साल और अन्य पायलटों के लिए 10 साल तय की है ए। हालांकि, कई पायलट इस अवधि के पूरा होते ही नौकरी छोड़ देते हैं।

दिल्ली मेट्रो मेगा विस्तारः 7 कॉरिडोर और 65 नए स्टेशन बनेंगे

आउटर दिल्ली में मजबूत होगी कनेक्टिविटी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

राजधानी में मेट्रो नेटवर्क को और व्यापक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के साथ मिलकर दिल्ली सरकार ने सात नए मेट्रो कॉरिडोर विकसित करने की योजना तैयार की है। इस विस्तार के तहत करीब 97 किलोमीटर लंबा नेटवर्क बिछाया जाएगा और 65 नए स्टेशन बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रस्तावित 'फेज-5बी' प्रोजेक्ट पर करीब 48,000 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। इसका मकसद उन इलाकों को मेट्रो से जोड़ना है, जो अब तक नेटवर्क से बाहर हैं या जहां कनेक्टिविटी सीमित है।

आउटर दिल्ली पर खास फोकस

इस योजना में नरेला, नजफगढ़, खेड़ा कलां और मीठापुर जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। नए रूट इन इलाकों को सीधे सेंट्रल और साउथ दिल्ली से जोड़ेंगे, जिससे रोजाना आने-जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

2029 तक 4 रूट तैयार करने का टारगेट

सरकार ने सात में से चार कॉरिडोर को प्राथमिकता श्रेणी में रखा है। इन पर काम तेज गति से करने की योजना है ताकि इन्हें 2029 से पहले चालू किया जा सके। परियोजना की डीपीआर तैयार हो चुकी है और अब अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

प्रस्तावित 7 मेट्रो कॉरिडोर एक नजर में

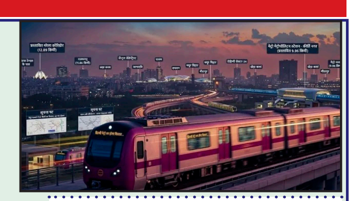

1. धांसा बस स्टैंड – नांगलोई (11.86 किमी | 9 स्टेशन)

नजफगढ़ क्षेत्र को ग्रीन लाइन से जोड़ेगा, ग्रामीण इलाकों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

2. सेंट्रल सेक्रेट्रिएट – किशनगढ़ (15.97 किमी)

लुटियंस दिल्ली से वसंत कुंज बेल्ट तक कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

3. समयपुर बादली – नरेला (12.89 किमी | 8 स्टेशन)

येलो लाइन का विस्तार, नरेला को मेट्रो मैप पर मजबूती से लाएगा।

4. कीर्ति नगर – पालम (9.96 किमी | 6 स्टेशन)

ब्लू और मैजेंटा लाइन के बीच नया लिंक, रिंग रोड पर ट्रैफिक कम होगा।

5. जोरबाग – साकेत/जी-ब्लॉक (16.99 किमी | 12 स्टेशन)

साउथ दिल्ली के अंदरूनी हिस्सों में सीधी मेट्रो पहुंच सुनिश्चित करेगा।

6. शास्त्री पार्क – मयूर विहार फेज-3 (13.2 किमी | 8 स्टेशन)

ईस्ट और नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

विस्तार के फायदे

दूर के इलाकों से सेंट्रल दिल्ली तक सफर आसान

सड़क पर ट्रैफिक और प्रदूषण में कमी

नए इलाकों में रियल एस्टेट और बिजनेस को बढ़ावा

लाखों यात्रियों का समय बचेगा

कुल मिलाकर, यह विस्तार सिर्फ नए रूट जोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली के शहरी फैलाव के साथ ट्रांसपोर्ट सिस्टम को संतुलित करने की बड़ी कोशिश है। अगर योजना तय समय पर जमीन पर उतरती है, तो आने वाले वर्षों में राजधानी की यात्रा व्यवस्था पूरी तरह बदल सकती है।

इजरायल का लेबनान में बड़ा हमला

हिज़्बुल्लाह के 2 आतंकी किए ढेर व 70 इमारतें तबाह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

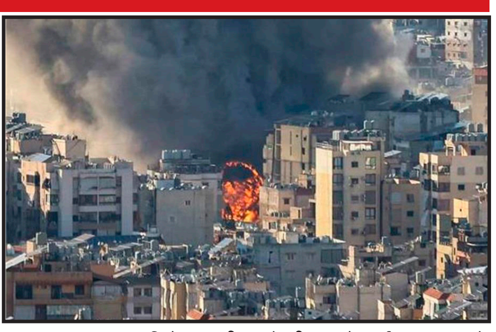

इजरायल और हिज़्बुल्लाह के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। Israel Defense Forces ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में कार्रवाई करते हुए हिज़्बुल्लाह के दो सशस्त्र आतंकियों को मार गिराया है। IDF के अनुसार ये आतंकी "फॉरवर्ड डिफेंस लाइन" के दक्षिण में सक्रिय थे और इजरायली सैनिकों के लिए "तत्काल खतरा" बन रहे थे। इसके बाद सेना ने हवाई हमले कर उन्हें निशाना बनाया। इजरायल ने यह भी कहा कि इलाके में मौजूद अन्य आतंकियों को भी बाद में हमलों में खत्म किया गया, जो इमारतों के अंदर छिपे हुए थे और खतरा पैदा कर रहे थे। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचय अद्राई ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में लगातार ऑपरेशन चल रहे हैं, जिनका उद्देश्य इजरायल के खिलाफ खतरों को खत्म करना है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि हाल के हमलों में हिज़्बुल्लाह से जुड़े लगभग 70 सैन्य उपयोग वाली इमारतों और करीब 50 अन्य बुनियादी ढांचों को नष्ट किया गया है। इन ठिकानों में कमांड सेंटर, हथियार भंडार और अन्य सैन्य सुविधाएं शामिल थीं। हिज़्बुल्लाह (Hezbollah) एक शिया उग्रवादी संगठन है, जो 1980 के दशक से इजरायल के खिलाफ संघर्ष करता आ रहा है। इसे अमेरिका, इजरायल, कनाडा और कई अन्य देशों ने आतंकी संगठन घोषित किया है। इस बीच, हिज़्बुल्लाह के प्रमुख नईम कासिम ने साफ कहा है कि वे इजरायल के साथ सीधे बातचीत नहीं करेंगे और अपने हथियार नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने "प्रतिरोध" जारी रखने की बात दोहराई। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी चेतावनी दी है कि अगर हिज़्बुल्लाह ने सीजफायर का उल्लंघन किया, तो इजरायल कड़ा जवाब देगा।यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में सीजफायर को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाने की घोषणा की थी। कुल मिलाकर, दक्षिणी लेबनान में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। एक तरफ सीजफायर लागू है, लेकिन दूसरी तरफ लगातार हमले और बयानबाजी इस क्षेत्र को फिर से बड़े संघर्ष की ओर धकेल सकते हैं।

इटली की सख्त चेतावनीः ईरान परमाणु कार्यक्रम 'रेड लाइन' पार न करे वर्ना...

इजराइल को लेकर भी दी सलाह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इटली ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत में कहा कि ईरान का सैन्य परमाणु कार्यक्रम "रेड लाइन" है। ताजानी ने साफ कहा कि अगर ईरान परमाणु हथियार विकसित करता है, तो इससे पूरे क्षेत्र में खतरनाक हथियारों की दौड़ शुरू हो सकती है। उन्होंने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया। इटली ने खास तौर पर Strait of Hormuz को फिर से खोलने की जरूरत बताई। यह दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। ताजानी ने चेतावनी दी कि अगर यहां बाधा बनी रही तो इसका असर खाद्य सुरक्षा और खासकर अफ्रीका पर पड़ सकता है। इटली ने ईरान से यह भी कहा कि वह Hezbollah पर दबाव डाले, ताकि वह इजराइल पर हमले बंद करे और लेबनान में शांति बहाल हो सके। इस बीच, ईरान ने एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाते हुए 14 बिंदुओं का शांति प्रस्ताव पेश किया है। ईरानी मीडिया Tasnim News Agency के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य 30 दिनों के भीतर सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना है। इस प्रस्ताव में कई अहम मांगें शामिल हैं, जैसे अमेरिका की सेनाओं की वापसी, समुद्री नाकेबंदी खत्म करना, ईरान की विदेशों में जमी संपत्ति को खोलना और सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को समाप्त करना। ईरान के उप विदेश मंत्री Kazem Gharibabadi ने कहा कि यह प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है और अब फैसला अमेरिका को करना है। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति Donald Trump ने इस प्रस्ताव पर असंतोष जताया है।

नशे के सौदागरों को LG मनोज सिन्हा की खुली चेतावनीः नशा बेचना 'खामोश आतंकवाद' है

देश के दुश्मनों जैसा होगा हश्र!

हिंदमाता नेटवर्क @ जम्मू

नशीले पदार्थों की तस्करी को खामोश आतंकवाद बताते हुए, जिसका मकसद जम्मू-कश्मीर के युवाओं, परिवारों और भविष्य को तबाह करना है, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि नशा बेचने वाले देश के दुश्मन हैं और उनके साथ उसी तरह निपटा जाएगा। 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत पदयात्रा का नेतृत्व करने से पहले, यहां TRC फुटबॉल मैदान में एक सभा को संबोधित करते हुए LG सिन्हा ने कहा कि नशा-विरोधी अभियान सिर्फ 22 दिनों के अंदर एक ₹जन आंदोलन₹ बन गया है। उन्होंने कहा, ₹यह जंग हर घर, हर मोहल्ले और हर गली में लड़ी जा रही है, जहां नशीले पदार्थ हमारे युवाओं की जीवन-शक्ति को खत्म कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ ली गई शपथ सिर्फ़ एक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उन माता-पिता के दर्द, परिवारों की पीड़ा और उन शिक्षकों की चिंता को दर्शाती है, जिन्होंने अपनी आंखों के सामने युवा जिंदगियों को तबाह होते देखा है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ सरकार का संकल्प नहीं है। यह हर मां, हर पिता और हर शिक्षक का संकल्प है। लोगों ने अब ऐलान कर दिया है कि 'बहुत हो गया, अब और नहीं होगा'। LG सिन्हा ने बताया कि उन्होंने खुद जम्मू संभाग के 8 ज़िलों का दौरा किया और वहां पदयात्राएं कीं, जहां लोगों की तरफ से एक ही संदेश सामने आया। उन्होंने कहा, ₹हर किसी ने कहा कि हमें अपने बच्चे वापस चाहिए, हमें अपना भविष्य वापस चाहिए। आज मैं कश्मीर आया हूं, यह कहने के लिए कि हम इसे किसी भी कीमत पर वापस लेकर आएंगे।₹ उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान ने समाज की अलग-अलग पीढ़ियों और वर्गों को एक सांझा लड़ाई के लिए एकजुट कर दिया है।

नार्को-आतंकवाद का पहलू

सुरक्षा से जुड़े एक गंभीर पहलू की ओर इशारा करते हुए LG ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी का सीधा संबंध आतंकवाद से है। उन्होंने कहा, ₹हम एक ऐसे खतरनाक दुश्मन का सामना कर रहे हैं, जो हमारे पड़ोस में ही बैठा है। नशीले पदार्थों से होने वाली कमाई का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने और हथियार खरीदने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नार्को-नेटवर्क हमारे समाज की ₹सबसे रचनात्मक और उत्पादक शक्ति - हमारे युवाओं₹ को अपना निशाना बना रहे हैं, और साथ ही परिवारों, अर्थव्यवस्था और नैतिक मूल्यों की नींव को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। ₹वे बाजारों में नशीले पदार्थ पहुंचाने के लिए नए तरीके और साधन अपना रहे हैं। लेकिन हम उनकी इन साजिशों को कामयाब नहीं होने देंगे,₹ उन्होंने कहा। LG सिन्हा ने बताया कि इस लड़ाई में हर नागरिक को शामिल करने के लिए 11 अप्रैल से 100 दिन का एक अभियान शुरू किया गया था, जिसके अभी 78 दिन बाकी हैं। ₹हर दिन, हर घंटा महत्वपूर्ण है। हमें ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी और J&K को एक आदर्श, नशा-मुक्त समाज बनाना होगा।

हिंदमाता एंकर यह पहली बार है जब विनेश ने सार्वजनिक रूप से खुद को इस मामले की पीड़िता बताया है। उन्होंने एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कुछ परिस्थितियों के कारण अब उन्हें अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी

विनेश फोगाट का बड़ा खुलासाः बोलीं- बृजभूषण के उत्पीड़न की शिकार छह पीड़ितों में मैं भी शामिल; वीडियो जारी किया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती जगत में एक बार फिर बड़ा विवाद सामने आया है। ओलंपियन विनेश फोगाट ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा है कि वह भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली छह महिला पहलवानों में से एक हैं। यह पहली बार है जब विनेश ने सार्वजनिक रूप से खुद को इस मामले की पीड़िता बताया है। उन्होंने एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कुछ परिस्थितियों के कारण अब उन्हें अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी।

'मैं उन छह पीड़िताओं में से एक हूं'

विनेश फोगाट ने कहा कि वह पहले इस मामले में अपनी पहचान सामने नहीं लाना चाहती थीं, क्योंकि मामला अभी अदालत में लंबित है। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन कहती है कि किसी भी पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि यह उसकी गरिमा और सम्मान से जुड़ा मामला है। लेकिन आज कुछ परिस्थितियों के कारण मैं आप सबको कुछ बताना चाहती हूं। मैं केस लंबित रहने तक कुछ नहीं बोलना चाहती थी... लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि मैं खुद उन छह पीड़िताओं में से एक हूं, जिन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी और हमारी गवाही अभी भी चल रही है। देश के सामने सब सच्चाई सामने आ जाएगी। लेकिन मैं बताना चाहती हूं कि उन छह में से एक पीड़िता मैं खुद हूं, जिन्होंने शिकायत दी थी।' विनेश ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में किसी महिला खिलाड़ी के लिए खेलना बेहद मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'एक महिला के लिए ऐसी स्थिति में मुकाबला करना बहुत कठिन है, और हर खिलाड़ी जिसने ऐसी स्थिति झेली है, वह इसे समझ सकती है।'

'देश के तिरंगे का मान बनाए रखूं'

विनेश ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, 'आप सब को नमस्कार। जैसा की सभी को पता है कि पिछले डेढ़ साल से मैं रेसलिंग मैट से काफी दूर थी। लेकिन अब कुछ महीनों से मैं रेसलिंग की तैयारियां कर रह रही हूं। बड़ी मेहनत और ईमानदारी से मेहनत कर रही हूं। जैसे मैंने पहले देश के लिए मेडल जीते, परमात्मा के आशीर्वाद से, आप सबके सहयोग से फिर से रेसलिंग मैट पर जाऊं और देश के लिए ढेर सारे मेडल जीतूं और देश के तिरंगे का मान बनाए रखूं।'

गोंडा में ट्रायल कराने पर सवाल

विनेश फोगाट ने खुलासा किया कि उनकी पहचान उजागर करने की सबसे बड़ी वजह WFI का गोंडा, उत्तर प्रदेश में रैंकिंग टूर्नामेंट और ट्रायल कराने का फैसला है। दरअसल, गोंडा में 'सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट' होने जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रतियोगिता बृजभूषण शरण सिंह के निजी कॉलेज में कराई जा रही है, जिससे निष्पक्ष मुकाबले की उम्मीद करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'आज से करीब एक महीना पहले रेस्लिंग फेडरेशन द्वारा एक कंपटीशन का अनाउंसमेंट किया गया।

कुश्ती संघ पर भी लगाए गंभीर आरोप

विनेश ने दावा किया कि भले ही बृजभूषण आधिकारिक पद पर नहीं हैं, लेकिन महासंघ पर अब भी उनका प्रभाव बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'किस मैच में कौन रेफरी होगा, किसे कितने अंक दिए जाएंगे... यह सब बृजभूषण और उनके लोग नियंत्रित करेंगे। और सरकार व खेल मंत्रालय मूक दर्शक बने हुए हैं। कोई खिलाड़ियों की मदद के लिए आगे नहीं आ रहा है। मानो की बृजभूषण को फ्री हैंड दिया हुआ है कि तुम जो मर्जी करो। चाहे तुम महिला पहलवानों के साथ कुछ करो या तुम कुश्ती जगत के साथ कुछ भी करो।

स्मार्ट मीटर में बेइमानी तो EVM में क्यों नहीं

अखिलेश ने लगाए आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
अखिलेश यादव ने यूपी बोर्ड और ICSE में सर्वाधिक अंक पाने वाले बच्चों को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। मेरठ से विधायक अतुल प्रधान मेरठ के टॉपर बच्चों को लेकर आए, जिन्हें सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बंगाल चुनाव परिणाम पर अखिलेश यादव ने कहा, "दीदी बंगाल में थीं और रहेंगी।" सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, "मैं जब गंगा एक्सप्रेसवे से हरदोई जाना चाह रहा था तो बताया गया कि एक्सप्रेसवे बंद है। जब कहा गया कि प्रधानमंत्री के उद्घाटन के बाद एक्सप्रेसवे बंद करने से बदनामी होगी, तो एक्सप्रेसवे खोल दिया गया और हमें रोकने के लिए लगाए गए पत्थर हटाए गए।" उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी झूठ की सोनपापड़ी बनाती है। एक झूठ पर दूसरा झूठ फैला देती है। डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ने से सभी चीजें महंगी हो जाएंगी। बीजेपी ने कभी महंगाई को रोकने और अपने लोगों को ज्यादा मुनाफा कमाने से नहीं रोका।

चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "हम सब जानते हैं कि इलेक्शन कमीशन एक संवैधानिक संस्था है, लेकिन यूपी में जब रामपुर का चुनाव हुआ, उपचुनाव हुए, तब हमने देखा कि चुनाव आयोग ने बीजेपी से मिलकर पहले मॉक ड्रिल की थी, जिसे इन लोगों ने बंगाल में एक पैरेलल स्ट्रक्चर बना दिया।" उन्होंने आगे कहा, "अगर स्मार्ट मीटर में बेइमानी हो सकती है तो ईवीएम में क्यों नहीं हो सकती। कल एक अलर्ट आया कि आपका मोबाइल बंद होकर भी अलर्ट आए, तो टेक्नोलॉजी से कैसे बेइमानी नहीं हो सकती।" उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ गोरखपुर में शिक्षकों के पद कम किए गए हैं। सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर फंसे दो बच्चों को एयरलिफ्ट कर बचाने वाले सेना के जवानों को अखिलेश यादव ने धन्यवाद दिया।

पानी की टंकी में 15 घंटे से फंसे थे दो लड़के

वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने ऐसे बचाई जान

हिंदमाता नेटवर्क @ सिद्धार्थनगर
उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाली एक खबर सामने आई है। यहां कांशीराम आवास स्थित पानी की टंकी पर फंसे दो किशोरों को भारतीय वायुसेना (IAF) ने एक बेहद चुनौतीपूर्ण मिशन के जरिए सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। पिछले 15 घंटों से मौत और जिंदगी के बीच झूल रहे इन लड़कों के लिए वायुसेना का हेलीकॉप्टर 'देवदूत' बनकर पहुंचा। फिर दोनों लड़कों की जान बचाई गई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह दर्दनाक घटना शनिवार दोपहर करीब दो बजे की है। कांशीराम आवास की पानी की टंकी पर पांच बच्चे चढ़े हुए थे, तभी अचानक टंकी की जर्जर सीढ़ी टूट कर नीचे गिर गई। सीढ़ी टूटने की वजह से तीन बच्चे नीचे गिर गए, जिनमें से एक की दुखद मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं, दो किशोर पवन और कल्लू टंकी के सबसे ऊपरी हिस्से पर ही फंसे रह गए।

वायुसेना का 'Mi-17 V5' और सफल रेस्क्यू

जब जमीन से रेस्क्यू संभव नहीं दिखा, तो राज्य सरकार के अनुरोध पर भारतीय वायुसेना के सेंट्रल एयर कमांड (CAC) को तैनात किया गया। रविवार सुबह करीब पांच बजे गोरखपुर से वायुसेना का Mi-17 V5 हेलीकॉप्टर सिद्धार्थनगर पहुंचा। वायुसेना के जांबाज जवानों ने अपनी कुशलता का परिचय देते हुए एक-एक कर दोनों किशोरों को सुरक्षित नीचे उतार लिया। बच्चों के सकुशल जमीन पर आते ही परिजनों और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

नेताओं ने भी जाना हाल

घटना की गंभीरता को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मृतक बच्चे के परिजनों को सांत्वना दी और घायलों का कुशल क्षेम जाना। यह मिशन भारतीय वायुसेना की त्वरित प्रतिक्रिया और जीवन बचाने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का एक और बड़ा उदाहरण है।

SDRF की नाकाम कोशिश और रातभर का तनाव

हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया। शाम छह बजे गोरखपुर से एसडीआरएफ (SDRF) की 20 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भारी बारिश और सुरक्षित रास्ता न होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू नहीं हो सका। पूरी रात बच्चों के परिजन और स्थानीय लोग नीचे से उनका हौसला बढ़ाते रहे। डीएम शिवसरणप्पा जी एन और तमाम बड़े अधिकारी मौके पर डटे रहे। बच्चों तक मदद पहुंचाने के लिए प्रशासन ने ड्रोन का सहारा लिया, जिसके जरिए ऊपर फंसे बच्चों तक रस्सी, पानी की बोतलें, बिस्कुट और रात का खाना पहुंचाया गया।

शॉर्ट स्टोरी

'नीतीश जी के इस्तीफे से कार्यकर्ता दुखी हैं,' सद्भाव यात्रा से पहले बोले निशांत

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

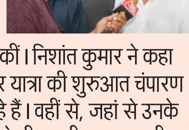

सद्भाव यात्रा पर निकलने से पहले निशांत कुमार ने 'आजतक' से खास बातचीत में अहम बातें शेयर कीं। निशांत कुमार ने कहा कि वह अपनी बिहार यात्रा की शुरुआत चंपारण की धरती से कर रहे हैं। वहीं से, जहां से उनके पिता नीतीश कुमार ने भी अपनी हर यात्रा की शुरुआत की। निशांत ने कहा कि मैं पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं से मिलूंगा और संगठन को मजबूत बनाने के तरीकों पर काम करूंगा। उन्होंने बताया कि नीतिश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कार्यकर्ताओं में दुख है। निशांत ने कहा कि 20 सालों तक लोगों ने उनके पिता को स्नेह दिया है। लोगों का हम पर भी प्यार बना रहे। बता दें, सद्भाव यात्रा के तहत निशांत कुमार आज निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रवाना होंगे। जारी शेड्यूल के मुताबिक, वे सुबह 11 बजे जेडीयू कार्यालय से प्रस्थान करेंगे। शाम 4 बजे बेतिया के हरिवाटिका चौक पर निशांत कुमार बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद 4 बजकर 15 मिनट पर बाजार समिति में महेंद्र बैठा की प्रतिमा का माल्यार्पण करेंगे। 4 :45 बजे लौरिया नंदनगढ़ में अशोक स्तंभ और बौद्ध स्थल का दौरा करेंगे। शाम 5 :50 बजे निशांत कुमार बगहा अनुमंडल कार्यालय के पास पहुंचकर आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। 6 :05 बजे एसएसबी कैंप के पास कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद 6 :30 बजे लक्ष्मीपुर गांव में जनजाति समाज से मुलाकात का कार्यक्रम है। शाम 7 :15 बजे निशांत, बाबा कालेस्वरनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे और 7 :25 बजे गंडक बैराज का निरीक्षण करेंगे। रात 8 :15 बजे पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद रात्रि विश्राम का कार्यक्रम तय किया गया है।

हर्ष सिंह हत्याकांड में पुलिस का एक्शन, मुख्य आरोपी एनकाउंटर में ढेर

हिंदमाता नेटवर्क @ सीवान

बिहार के सीवान जिले में पुलिस ने हर्ष सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपी सोनू यादव को एनकाउंटर में मार गिराया। सोनू यादव सीवान के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के सरेया गांव का रहने वाला था और हर्ष सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी था। आज सुबह पुलिस को उसकी लोकेशन मिली, जिसके बाद घेराबंदी की गई। इसी दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें सोनू यादव को गोली लगी और उसकी मौत हो गई। दो दिन पहले इसी मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी छोटू यादव को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया था। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह पूरा मामला 29 अप्रैल का है, जब रोड रेज की एक घटना ने हिंसक रूप ले लिया था। इस दौरान पूर्व बीजेपी एमएलसी मनोज सिंह के भांजे हर्ष सिंह और उनके बहनोई चंदन सिंह (हर्ष के पिता) पर आंदर ढाला ओवर ब्रिज के पास गोलीबारी की गई थी। इस हमले में हर्ष सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनके पिता चंदन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका इलाज पटना में चल रहा है। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की धर-पकड़ के लिए दबिश देनी शुरू की थी और मुख्य आरोपी सोनू यादव को रविवार सुबह एनकाउंटर में ढेर कर दिया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक सोनू यादव कई संगीन आपराधिक मामलों में वांटेड था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक सूचना मिली थी कि सोनू यादव अपने साथियों के साथ बड़हरिया इलाके में छिपा है। इस इनपुट के आधार पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। दबिश के दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जवाब में पुलिस कर्मियों ने भी गोली चलाई। इसी दौरान क्रॉस फायरिंग में सोनू यादव को गोली लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सोनू यादव पर अलग-अलग थानों में 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे।

शराब के लिए पानी न लाने पर 9 साल के बच्चे की हत्या, पेट में मारी गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ कासगंज

उत्तर प्रदेश के कासगंज ज़िले में एक नामकरण समारोह के दौरान शराब में मिलाने के लिए पानी लाने से मना करने पर 9 साल के एक लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से समारोह में हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी। यह घटना शुक्रवार को सहावर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत याकूतगंज गांव में हुई। पीड़ित, यशपाल उर्फ यश, अपने घर पर हो रहे एक नामकरण समारोह में शामिल था। लड़के के चाचा अनुज के अनुसार जब समारोह के लिए रिश्तेदार और गांव वाले इकट्ठा हुए थे, तभी सुखवीर यादव के बेटे और पीड़ित के पिता जसवीर गोला के रिश्तेदार धनेश यादव ने बच्चे से पानी लाने को कहा। आरोपियों ने बच्चे से पानी इसलिए मंगाया, क्योंकि उन्हें पानी को शराब में मिलाना था। पुलिस ने बताया कि जब लड़के ने मना कर दिया, तो आरोपी, जो नशे की हालत में था, अपना आपा खो बैठा और उसने लड़के के पेट में गोली मार दी। इस घटना के बाद समारोह में अफरा-तफरी मच गई। घायल बच्चे को पहले कासगंज के ज़िला अस्पताल ले जाया गया और बाद में उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को इलाज के दौरान चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी (SHO) गोविंद बल्लभ शर्मा ने बताया कि पीड़ित के परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में उसे खितौली नहर पुल के पास से गिरफ़्तार कर लिया गया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार उसके कब्ज़े से बरामद कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार भारती ने बताया कि आरोपी को जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही है और मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है।

पुलिस चौकी में लटकी मिली युवक की लाश

दारोगा समेत 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड, खाकी पर हत्या के आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ बागपत
उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस हिरासत में युवक की संदिग्ध मौत ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। थाना दोघट क्षेत्र की भड़ल चौकी में एक युवक की फंदे से लटकी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजन इसे आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बता रहे हैं, जिससे पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। पुलिस अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान रोहित राणा के रूप में हुई है, जो दोघट क्षेत्र के निरपुड़ा गांव का रहने वाला था और मेरठ की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। जानकारी के

परिजनों का हंगामा और जनाक्रोश

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में चौकी पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला और पुलिस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठने लगी। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। परिवार का आरोप है कि रोहित के साथ हिरासत में मारपीट की गई और बाद में उसे फांसी देकर हत्या को आत्महत्या का रूप दिया गया। मृतक की बहन सोनिया ने कहा कि रोहित के साथ तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया था और पुलिस ने उन्हें बातचीत तक नहीं करने दी। उनका कहना है कि परिवार पुलिस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएगा। दूसरी ओर, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक ने चौकी परिसर में आत्महत्या का प्रयास किया था। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के बाद युवक को परिजनों के सुपुर्द करने के लिए उन्हें चौकी बुलाया गया था, लेकिन इसी दौरान युवक ने गले में गमछा बांधकर पंखे से लटककर आत्महत्या की कोशिश की।

पुलिस का पक्ष और कार्रवाई

एसपी बागपत सूरज राय के अनुसार, युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने पर चौकी प्रभारी और दो आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बढ़ते विवाद और जनाक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश भी दे दिए हैं। पुलिस विभाग का कहना है कि जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना पुलिस हिरासत में सुरक्षा और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अब पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और सच्चाई सामने आने का इंतजार किया जा रहा है। एसपी बागपत सूरज राय ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया है।

24 वर्षीय युवक ने 4 साल बड़ी लिव-इन पार्टनर का घोंटा गला

फिर खुद की भी दे दी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ मथुरा

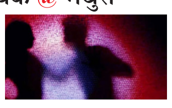

मथुरा के वृंदावन में एक 24 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर अपनी 28 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी। अधिकारी के मुताबिक यह जोड़ा पिछले दो सालों से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। हालांकि, उनके रिश्ते में तब तनाव आ गया जब महिला ने युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। सर्किल ऑफिसर (सदर) प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि राधिका (28) नाम की महिला अपने पति से तलाक के बाद दुर्गापुरम कॉलोनी में सुभाष ठाकुर नाम के युवक के साथ एक किराए के कमरे में रह रही थी। किसी बात पर अनबन होने के बाद, राधिका ने कुछ दिन पहले ही ठाकुर के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उसने ठाकुर पर छेड़छाड़ और पीछा करने का आरोप लगाया था। पहले पत्नी का घोंटा गला, फिर खुद लगा ली फांसी इससे गुस्सा होकर ठाकुर ने कथित तौर पर राधिका का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और उसके बाद खुद भी फांसी लगा ली।

किसी में हिम्मत नहीं मुझे मरवा दे।

अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी को बताया कमजोर CM

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर
उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से रविवार को गोविष्टि यात्रा का शुभारंभ हुआ। भारत माता मंदिर, सहारा स्टेट के सामने आयोजित कार्यक्रम में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में न केवल धार्मिक मुद्दों को उठाया, बल्कि सरकार, राजनीति, वोट बैंक और सामाजिक मानसिकता पर भी तीखे सवाल खड़े किए। उनके भाषण में आक्रोश, आह्वान और आंदोलन की स्पष्ट झलक देखने को मिली।

धमकियों का दावा और निडरता का संदेश

शंकराचार्य ने अपने संबोधन की शुरुआत एक गंभीर आरोप से की। उन्होंने कहा कि गोविष्टि यात्रा शुरू करने से पहले उन्हें कई तरह की धमकियां मिलीं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे किसी भी प्रकार के डर से पीछे हटने वाले नहीं हैं। उनका कहना था कि "किसी के माई के लाल में हिम्मत नहीं है कि हमें मरवा दे। अगर कोई पार्टी ऐसा करने की कोशिश करेगी, तो वह सत्ता से बेदखल हो जाएगी।" उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डराने का प्रयास इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वे जनता की वास्तविक भावनाओं और मुद्दों को सामने ला रहे हैं। उनके अनुसार, गोरखपुर की जनता निडर है और वह सच्चाई के साथ खड़ी है, लेकिन कुछ शक्तियां इस आवाज को दबाना चाहती हैं।

गोविष्टि यात्रा का क्या है उद्देश्य

गोविष्टि यात्रा को लेकर उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य देश में गाय की रक्षा और उसके सम्मान को लेकर जनजागरण करना है। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का आधार है। "गाय को माता कहकर पुकारते हैं, लेकिन व्यवहार में उसके साथ वैसा सम्मान नहीं दिया जा रहा है,"। उन्होंने जोर देकर कहा कि गाय के प्रति केवल भावनात्मक जुड़ाव पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी सुरक्षा और सम्मान के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। इस यात्रा के माध्यम से वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और गोरक्षा को जनआंदोलन बनाने की कोशिश करेंगे।

मुख्यमंत्री पर भी बोला हमला

शंकराचार्य ने राज्य सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गाय की रक्षा के मुद्दे पर अपेक्षित दृढ़ता नहीं दिखा पा रहे हैं। उनके अनुसार यदि नेतृत्व में साहस होता, तो बिना किसी दबाव के गोमाता को "राज्यमाता" घोषित किया जा सकता था।

उन्होंने कहा, "अगर मुख्यमंत्री में इच्छाशक्ति होती, तो वे केंद्र की परवाह किए बिना यह निर्णय ले सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्योंकि वोट बैंक की राजनीति हावी है।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार मुस्लिम और अन्य समुदायों के वोटों को खोने के डर से गोरक्षा जैसे मुद्दों पर सख्त निर्णय नहीं लेती।

सहारनपुर में मां की सहेली ही निकली कातिल

14 साल के लड़के का क्यों किया मर्डर? पूरी कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर
उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला पर अपनी ही सहेली के मासूम बेटे की बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगा है। 14 साल के अंशुमन की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला पूजा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस वारदात का खुलासा सीसीटीवी फुटेज के जरिए हुआ। मृतक अंशुमन, बालकृष्ण भारती का सबसे छोटा बेटा था। परिवार में चार भाइयों में वह सबसे छोटा और सबसे ज्यादा लाड़-प्यार पाने वाला बच्चा था। परिवार के अनुसार, पूजा का उनके घर आना-जाना था और वह अंशुमन की मां ज्योति की करीबी दोस्त मानी जाती थी। बताया जाता है कि पूजा ब्याज पर पैसे देने का काम करती थी और इलाके में उसकी दबंग छवि थी।

मारपीट का आरोप

आरोप है कि वह अक्सर घर में आकर विवाद करती थी, बच्चों के साथ मारपीट करती थी और कई बार तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आई थीं। कुछ समय पहले बालकृष्ण भारती ने पूजा के घर आने पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया था। हालांकि पहले भी कई बार कहासुनी और विवाद हुए, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि मामला इतनी भयावह घटना में बदल जाएगा। घटना 1 मई की दोपहर करीब 2 बजे की है, जब अंशुमन घर से सामान लेने निकला था, लेकिन फिर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। जांच के दौरान नुमाइश कैंप इलाके के कैमरों में अंशुमन आरोपी पूजा के साथ जाता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद अन्य स्थानों के कैमरों में भी दोनों को एक साथ देखा गया। जांच में सामने आया कि पूजा बच्चे को लेकर हरियाणा के यमुनानगर तक गई थी।

आरोपी पूजा ने कबूला गुनाह

पुलिस ने शनिवार को पूजा को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और बयान बदलती रही, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज उसके सामने रखे गए तो वह टूट गई और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसने अंशुमन को अंबाला रोड स्थित पूर्वी यमुना नदी में फेंक दिया। पूजा की निशानदेही पर पुलिस और गोताखोरों की टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। पूरी रात चले इस अभियान के बाद रविवार सुबह अंशुमन का शव बरामद कर लिया गया। परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने बच्चे को नदी में डुबो-डुबोकर मार डाला। इस घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और पूरे इलाके में आक्रोश है। परिजन आरोपी के लिए कड़ी सजा, यहां तक कि फांसी की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है।

अब गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा नोएडा

इस प्वाइंट से बनेगी 15 KM लंबी नई सड़क

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा
नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों के लिए बड़ी राहत और विकास की नई खबर सामने आई है। अब इन दोनों शहरों की कनेक्टिविटी गंगा एक्सप्रेसवे से सीधे जुड़ने जा रही है। इसके लिए हापुड़ बाईपास से आगे लगभग 15 किलोमीटर लंबी नई सड़क बनाई जाएगी। यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास की दिशा बदलने वाली मानी जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस फैसले के बाद नोएडा ग्रेटर नोएडा और आसपास के इलाकों में आवागमन पहले से काफी आसान और तेज हो जाएगा। योजना के तहत 105 मीटर चौड़ी सड़क को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। यह सड़क हापुड़ बाईपास से आगे बढ़ाई जाएगी जिससे सीधे एक्सप्रेसवे तक पहुंचना संभव होगा। अधिकारियों के मुताबिक, इस परियोजना के पूरा होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोग गंगा एक्सप्रेसवे तक सिर्फ 30 से 45 मिनट तक पहुंच सकेंगे। यह बदलाव खास तौर पर रोजाना आने जाने वाले लोगों व्यापारियों और उद्योगों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। समय की बचत के साथ-साथ ट्रैफिक दबाव भी काम होगा। इस योजना के साथ एक और बड़ा कदम उठाया गया है। मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब से डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के समांतर छह लाइन की एलीवेटर रोड भी बनाई जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंचना होगा आसान

नई सड़क और एलिवेटेड रोड बनने से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर तक पहुंचना भी बेहद आसान हो जाएगा। उद्योगों और व्यापार से जुड़े लोगों के लिए यह बहुत बड़ा फायदा होगा क्योंकि वो अपने माल को सीधे एयर कॉरिडोर टर्मिनल तक तेजी से पहुंच सकेंगे। इससे व्यापार और निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। इस पूरी परियोजना को ग्रेटर नोएडा के मास्टर प्लान 2041 में शामिल करने की तैयारी में है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवी कुमार एनजी के प्रस्ताव पर बोर्ड ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि आने वाले सालों में इस सड़क और कनेक्टिविटी को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, इस सड़क को आगे चलकर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 91 और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा। इससे नोएडा ग्रेटर नोएडा एक बड़े ट्रांसपोर्ट नेटवर्क का हिस्सा बन जाएगा, जिससे दिल्ली एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

IIT की मदद से खत्म होगा ट्रैफिक जाम

प्राधिकरण ने ट्रैफिक जाम की समस्या को खत्म करने के लिए IIT की मदद लेने कभी फैसला किया है। परी चौक, नॉलेज पार्क, एक्सपर्ट और पी3 गोल चक्कर जैसे वेस्ट इलाकों में ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए नई योजना बनाई जाएगी। इस शहर के प्रमुख क्षेत्र में जाम की समस्या काफी हद तक खत्म होने की उम्मीद है। इस परियोजना से केवल आम लोगों को ही नहीं, बल्कि उद्योगों और निवेश को भी बड़ा फायदा होगा। जिससे लॉजिस्टिक लागत कम होगी निवेश के नए अवसर बढ़ेंगे।

हिंदमाता एंकरः दूल्हे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिस घर में शहनाइयां बजनी थीं, वहां मातम पसर गया

फूलों से सजी कार में दूल्हे की हत्या, दुल्हन का रिश्तेदार दे चुका था धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ सरायख्वाजा
शादी का घर रोशनी से जगमगा रहा था। ढोल-नगाड़ों की थाप पर रिश्तेदार झूम रहे थे। फूलों से सजी कार में दूल्हा आजाद बिंद अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत सफर पर निकला था। कौन सोच सकता था कि यह सफर सात फेरों तक नहीं, बल्कि मौत के दरवाजे तक जाएगा। कार में सवार होकर निकले दूल्हे की घर से 5 किलोमीटर दूर गोली मारकर जान ले ली गई। इस वारदात को दुल्हन के रिश्तेदार ने अंजाम दिया था। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बड़अउर गांव के रहने वाले आजाद बिंद की शादी खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव की लड़की से तय हुई थी। घर में उत्सव का माहौल था। बारात धूमधाम से निकली। दूल्हा फूलों से सजी कार में बैठा था और परिवार के लोग पीछे-पीछे चल रहे थे। लेकिन घर से करीब पांच किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे पर पहले से घात लगाए बदमाश इंतजार कर रहे थे। जैसे ही दूल्हे की कार वहां पहुंची, बाइक सवार हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली कार की विंडशील्ड को चीरते हुए सीधे आजाद के सीने में जा धंसी। दूसरी गोली जबड़े में लगी। कुछ ही सेकंड में खुशियों से भरी कार चीखों से गूंज उठी। बाराती कुछ समझ पाते, उससे पहले हमलावर अंधेरे में फरार हो चुके थे। खून से लथपथ आजाद को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूल्हे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिस घर में शहनाइयां बजनी थीं, वहां मातम पसर गया।

दो दिन पहले मिली थी धमकी

पुलिस ने जब इस मामले की जांच की तो पता चला कि दुल्हन का एक रिश्तेदार प्रदीप बिंद इस शादी से नाराज था। उसने आजाद को दो दिन पहले ही आजाद को शादी न करने को लेकर धमकी दी थी। पूछताछ के लिए दुल्हन को भी थाने बुला लिया गया। पुलिस टीम ने दुल्हन से घंटों पूछताछ की। दुल्हन का मोबाइल भी खंगाला गया। पूछताछ के दौरान दुल्हन ने खुलासा किया कि उसका रिश्तेदार प्रदीप शादी से नाराज था, इसीलिए उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। प्रदीप बिंद का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उस पर आरोप है कि वह पहले भी हत्या कर चुका है। जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र में रहने वाले गोपाल शर्मा की जनवरी 2025 में सुपारी देकर हत्या कराई गई थी। प्रदीप ने अपने 2 साथियों के साथ 8 लाख रुपये में वारदात को अंजाम दिया था। घटना को अंजाम देने के लिए 28 हजार रुपये में पिस्टल और 600 रुपये का कारतूस खरीदा गया था। प्रदीप जमानत पर बाहर था।

पुलिस ने घोषित किया इनाम

मुख्य आरोपी प्रदीप बिंद और रवि यादव फरार हैं। दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। तीसरे आरोपी भोला राजभर की तलाश भी जारी है। जौनपुर पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। दो डॉक्टर के पैनल द्वारा आजाद का पोस्टमार्टम शनिवार शाम करीब 5 बजे वीडियोग्राफी के साथ कराया गया। इसमें पता चला कि आजाद को दो गोलियां लगी थीं। एक गोली पीठ से होकर सीने में फंस गई थी, जबकि दूसरी जबड़े को चीरते हुए बाहर निकल गई। शनिवार शाम कड़ी सुरक्षा के बीच शव का अंतिम संस्कार कराया गया। अब पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। वहीं, परिवार सदमे में है। जौनपुर एसपी कुंवर सिंह कहना है कि शादी से नाखुश दुल्हन के रिश्तेदार ने वारदात को अंजाम दिया है। परिजन से मिली तहरीर के आधार पर प्रदीप और दो आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। तीसरे आरोपी की पहचान जपटापुर के रहने वाले भोला राजभर के रूप में हुई है। प्रदीप बिंद और रवि यादव बारात निकलने के बाद लगातार भोला से लोकेशन ले रहे थे।

नेपाल में बालेन सरकार का बड़ा फैसला

1500 से ज्यादा नियुक्तियां रद्द की

हिंदमाता नेटवर्क @ काठमांडू

नेपाल में नई सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए 1,500 से ज्यादा सरकारी नियुक्तियां रद्द कर दी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शनिवार को एक अध्यादेश जारी किया, जिसके आधार पर यह फैसला लागू किया गया। ये सभी नियुक्तियां 26 मार्च से पहले की गई थीं, जो देश में नई सरकार बनने की तारीख है। नई सरकार का नेतृत्व बालेंद्र शाह कर रहे हैं, जिनकी पार्टी ने 5 मार्च के चुनाव में बड़ी जीत हासिल की थी। यह जीत सितंबर 2025 में हुए Gen Z आंदोलन के बाद पुराने राजनीतिक दलों के खिलाफ बढ़े गुस्से के कारण मिली। सरकार ने पब्लिक ऑफिस बेयरर्स को हटाने के लिए विशेष प्रावधान, 2083 नाम का अध्यादेश लागू किया है। इसके तहत 26 मार्च से पहले की गई सभी नियुक्तियां अपने आप खत्म मानी जाएंगी, चाहे उनका कार्यकाल या शर्तें कुछ भी रही हों।

इस फैसले का क्या असर होगा?

नेपाल विद्युत प्राधिकरण, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, बीपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, नेपाल एयरलाइंस निगम और गोरखापत्र जैसे कई बड़े सरकारी संस्थानों का कार्य प्रभावित होगा। इन संस्थानों में अब कई अहम पद खाली हो गए हैं, जिससे नेतृत्व की कमी हो गई है। कई जगहों पर अधिकारी नहीं होने से रोजमर्रा के काम और फाइलों पर साइन भी रुक सकते हैं। सरकार ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि नई नियुक्तियां कब और कैसे की जाएंगी। एक और अध्यादेश राष्ट्रपति के पास भेजा गया है, लेकिन उसमें भी सभी संस्थानों के लिए स्पष्ट प्रक्रिया नहीं बताई गई है। ऐसे में आने वाले समय में प्रशासनिक कामकाज पर असर पड़ने की आशंका बनी हुई है।

सरकार ने क्या वजह बताई?

इस फैसले से कुल 1,594 लोगों को उनके पदों से हटा दिया गया है। सरकार का कहना है कि ये नियुक्तियां राजनीतिक कारणों से की गई थीं और इन्हें हटाकर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई जाएगी। हालांकि इस कदम की आलोचना भी हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि इससे सरकारी कामकाज पर बुरा असर पड़ेगा। कहा जा रहा है कि प्रशासन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में काम प्रभावित हो सकते हैं।

सीजफायर के बीच लेबनान पर इजराइल का भीषण हमला

24 घंटे में 50 एयर स्ट्राइक, 7 लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दक्षिणी लेबनान में शनिवार को हुए इजराइली हवाई हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इजराइल ने यह हमला ऐसे समय में किया है, जब उसकी सेना ने नौ दक्षिणी गांवों के निवासियों को वहां से हटने की नयी चेतावनी जारी की थी। इजराइली सेना और लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने 17 अप्रैल से लागू संघर्ष विराम के बावजूद अपने हमले जारी रखे हैं। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी नेशनल न्यूज एजेंसी ने बताया कि कफर दजल गांव में एक कार पर हवाई हमला हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, लुवाइजेह गांव में एक घर पर हुए हमले में तीन लोग मारे गए। एजेंसी के अनुसार, एक अन्य गांव पर हुए हमले में दो लोगों की जान चली गई।

24 घंटों में लगभग 50 हवाई हमले

इजराइली सेना की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एला वावेया ने एक्स पर पोस्ट किया कि इजराइल की वायु सेना ने पिछले 24 घंटों में लगभग 50 हवाई हमले किए। उन्होंने बताया कि इन हमलों में हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे और सदस्यों को निशाना बनाया। 10 दिनों का संघर्षविराम 17 अप्रैल को लागू हुआ था। बाद में, इसे तीन हफ्तों के लिए बढ़ा दिया गया। सीमावर्ती गांव यारून में, इजराइली सेना ने बुलडोजर से एक कैथोलिक कॉन्वेंट के कुछ हिस्सों को नष्ट कर दिया, जो हालिया लड़ाई के कारण खाली पड़ा था। बेसिलियन साल्वाटोरियन सिस्टर्स की प्रमुख ग्लैडिस सब्बाग ने कहा, हमने जो सुना है, वह यह है कि इसे बुलडोजर से नष्ट किया गया।

धार्मिक संस्थानों पर हमला

सेना ने कहा कि हिजबुल्लाह ने अतीत में कई मौकों पर इस परिसर का इस्तेमाल इजराइल की ओर रॉकेट दागने के लिए किया था। इजराइली सेना ने यह भी स्पष्ट किया कि वह जानबूझकर धार्मिक संस्थानों पर हमला नहीं करती। लेबनान के कैथोलिक चर्च ने उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि इस परिसर का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया था।

डच राजकुमारियों की हत्या की साजिश का खुलासा

कुल्हाड़ियों के साथ संदिग्ध गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नीदरलैंड में शाही परिवार को निशाना बनाने की एक खतरनाक साजिश सामने आई है। पुलिस 33 साल के आरोपी को सोमवार को कोर्ट में पेश करने वाली है। उससे फरवरी में हेग से गिरफ्तार किया था। लेकिन साजिश और गिरफ्तारी की जानकारी अब सामने आई है। उस पर आरोप है कि वह डच राजकुमारियों कैथरीना अमालिया (22) और एलेक्सिया (20) की हत्या की योजना बना रहा था। जांच में पता चला कि आरोपी के पास दो कुल्हाड़ियां थीं। इन पर एलेक्सिया, मोसाद और सीग हेल जैसे शब्द लिखे थे। सीग हेल नाजी दौर का नारा है। उसके पास एक हाथ से लिखा नोट भी मिला, जिसमें अमालिया, एलेक्सिया और ब्लडबाथ (खून-खराबा) लिखा था। इससे लगता है कि वह बहुत हिंसक हमला करने की तैयारी में था।

आरोपी की पहचान उजागर नहीं हुई

अधिकारियों ने अभी तक आरोपी का नाम और उसके मकसद की जानकारी नहीं दी है। डच कानून के कारण उसकी पहचान गोपनीय रखी गई है। उसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह मामला उस समय सामने आया जब शाही परिवार 27 अप्रैल को किंग्स डे के मौके पर डोक्कम में सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुआ। इस दौरान सुरक्षा बहुत कड़ी कर दी गई थी। कैथरीना अमालिया, राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा की बड़ी बेटी हैं और वही आगे चलकर नीदरलैंड की रानी बनेंगी। उनकी बहन एलेक्सिया उत्तराधिकार में दूसरे नंबर पर हैं। यह पहली बार नहीं है जब अमालिया को खतरा मिला है। इससे पहले भी उन्हें कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। एक बार ड्रग गैंग ने उन्हें और उस समय के प्रधानमंत्री मार्क रुटे को अगवा करने की योजना बनाई थी।

6 साल पहले रेप की धमकी मिली थी

2020 में एक व्यक्ति ने उन्हें रेप और हिंसा की धमकी दी थी, जिसके बाद उन्हें छिपकर रहना पड़ा। 2022 में भी अपराधियों की बातचीत पकड़ी गई थी, जिसमें अमालिया और मार्क रुट्टे को निशाना बनाने की बात थी। उसी साल सुरक्षा कारणों से उन्हें एम्स्टर्डम में अपना स्टूडेंड होम छोड़ना पड़ा और हेग के शाही महल में रहना पड़ा। 2024 में लगातार खतरे के कारण अमालिया गुपचुप तरीके से मैड्रिड चली गईं, ताकि वहां पढ़ाई पूरी कर सकें और थोड़ी आजादी से रह सकें। रानी मैक्सिमा ने कहा कि इन खतरों का उनकी बेटी की जिंदगी पर बहुत बड़ा असर पड़ा है। अमालिया ने भी कहा कि उन्हें सामान्य जिंदगी, जैसे बाहर घूमना और बाजार जाना, बहुत याद आता है, जो अब उनके लिए आसान नहीं है।

हजारों अमेरिकी सैनिक बुलाए गए वापस, कारों पर 25% टैरिफ का ऐलान

ट्रंप का जर्मनी पर 'डबल अटैक'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जर्मनी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख एक बार फिर सख्त दिख रहा है। उन्होंने साफ कहा है कि जर्मनी में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या सिर्फ 5 हजार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इससे कहीं ज्यादा कटौती की जाएगी। यानी जो शुरुआत 5 हजार सैनिकों की वापसी से हो रही है, वो आगे और बड़ी हो सकती है। इससे पहले ट्रंप ने यूरोपीय यूनियन की कारों और ट्रकों पर 25% टैरिफ लगाने का भी ऐलान किया था, जिसका असर खासतौर पर जर्मनी पर पड़ सकता है। देखा जाए तो ट्रंप की नाराजगी की वजह व्यापारिक समझौतों का सही से पालन न होना है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, उन्होंने खुलेआम कहा है कि यूरोपीय संघ ने वादों को निभाया नहीं है, इसलिए अब अगले हफ्ते से वहां बनने वाली कारों और ट्रकों पर 25% टैक्स लगाया जाएगा। जर्मनी, जो गाड़ियों के निर्माण के लिए जाना जाता है, उसके लिए यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है। असल में सारा मामला फ्लोरिडा में खुला, जहां पत्रकारों के सवाल पर ट्रंप ने दो-टूक कहा, '5 हजार का आंकड़ा तो बहुत छोटा है, हम इससे कहीं ज्यादा सैनिकों की छुट्टी करने वाले हैं और सेना में बड़ी कटौती करेंगे।' हैरानी की बात ये है कि खुद पेंटागन ने पहले सिर्फ 5 हजार सैनिकों की बात कही थी, लेकिन ट्रंप के इस ताजा बयान ने सबको सोच में डाल दिया है। अमेरिका के भीतर भी इस फैसले का विरोध शुरू हो गया है। कई बड़े नेताओं का मानना है कि अगर अमेरिकी सैनिक जर्मनी छोड़कर चले गए, तो रूस के राष्ट्रपति पुतिन को अपनी ताकत दिखाने का खुला मौका मिल जाएगा। खासकर तब, जब यूक्रेन और रूस की जंग को 5 साल पूरे होने वाले हैं।

क्या अकेले पड़ जाएंगे यूरोपीय देश?

जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने इस पर बहुत ही शांत तरीके से जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सैनिकों को वापस बुलाने की बात तो ट्रंप सालों से कर रहे थे, इसलिए ये कोई नई बात नहीं है। उनका मानना है कि अब यूरोप के देशों को खुद अपनी सुरक्षा के लिए आगे आना होगा और अपनी जिम्मेदारी खुद संभालनी होगी। हालांकि, उन्होंने ये भी याद दिलाया कि अमेरिकी सैनिकों का जर्मनी में होना सिर्फ हमारे लिए नहीं, बल्कि खुद अमेरिका के फायदे के लिए भी है। पेंटागन की मानें तो इन सैनिकों की वापसी अगले 6 से 12 महीनों में पूरी कर ली जाएगी। फिलहाल जर्मनी में करीब 36,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, जो वहां के बड़े मिलिट्री बेस और एयर बेस की सुरक्षा संभालते हैं। जानकारों का कहना है कि सैनिकों का जाना एक अलग बात है, लेकिन इससे जो दुनिया को मैसेज जाएगा वो काफी गंभीर हो सकता है। ट्रंप की ये नाराजगी ईरान के मामले में भी देखी जा रही है, जहां उन्हें लगता है कि यूरोपीय देशों ने उनका साथ नहीं दिया। अब हर किसी की नजर इस बात पर है कि ट्रंप का ये 'हंटर' जर्मनी की तिजोरी और उसकी सुरक्षा पर कितना भारी पड़ता है। एक तरफ सैनिकों की घर वापसी का दबाव और दूसरी तरफ कारों पर 25% का तगड़ा टैक्स, ट्रंप ने साफ मैसेज दे दिया है कि अब वो 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के लिए किसी भी समझौते के मूड में नहीं हैं। अब देखना ये होगा कि क्या इस फैसले के बाद यूरोप अपने दम पर अपनी सुरक्षा कर पाएगा या फिर उसे अमेरिका के आगे झुकना पड़ेगा?

क्या अमेरिका की नाकेबंदी हुई फेल?

ईरान का सुपरटैंकर चकमा देकर निकला

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

ईरान का एक बड़ा तेल टैंकर अमेरिका की कड़ी निगरानी से बचकर दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंच गया है। समुद्री ट्रैकिंग कंपनी टैंकर ट्रैकर्स के अनुसार, इस जहाज में करीब 220 मिलियन डॉलर का कच्चा तेल भरा हुआ है, जो लगभग 1.9 मिलियन बैरल के बराबर है। इस घटना से अमेरिका की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यह सुपरटैंकर नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी (NITC) के स्वामित्व वाला है। इस जहाज का नाम HUGE (IMO: 9357183) बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह जहाज अमेरिकी नौसेना की नजर से बचते हुए एशिया के पूर्वी हिस्से तक पहुंच गया। इस टैंकर को आखिरी बार एक हफ्ते से पहले श्रीलंका के पास देखा गया था। अब माना जा रहा है कि यह इंडोनेशिया के लोम्बोक स्ट्रेट से गुजरते हुए रियाउ द्वीपसमूह की ओर जा रहा है।

कैसे नाकेबंदी को चकमा दिया?

इस जहाज ने 20 मार्च के बाद से अपना ट्रैकिंग सिस्टम यानी ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (AIS) बंद कर दिया था। AIS के जरिए जहाज की लोकेशन पता चलती है। जब कोई जहाज इसे बंद कर देता है, तो उसे डार्क एक्टिविटी कहा जाता है। आमतौर पर ऐसा वे जहाज करते हैं जो प्रतिबंधों से बचना चाहते हैं। यह टैंकर स्ट्रेट ऑफ मलक्का से रवाना हुआ था, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। इसके बाद से यह बिना सिग्नल के आगे बढ़ता रहा, जिससे इसे ट्रैक करना मुश्किल हो गया।

ईरान को 45 हजार करोड़ का नुकसान

अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए 13 अप्रैल से नाकेबंदी शुरू की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की इस कार्रवाई से ईरान को अब तक करीब 4.8 अरब डॉलर (लगभग 45 हजार करोड़ रुपये) का तेल राजस्व घाटा हो चुका है। लेकिन इस टैंकर के बच निकलने से साफ है कि इतनी सख्ती के बावजूद कुछ खामियां अभी भी हैं। इस मामले पर अभी तक अमेरिका की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन इस घटना ने यह दिखा दिया है कि इतने बड़े और व्यस्त समुद्री इलाकों में हर जहाज पर नजर रखना आसान नहीं है।

जापान में 11 दिन बाद काबू में आई जंगल की भीषण आग

30 साल की दूसरी सबसे बड़ी घटना

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जापान के उत्तरी इलाके में लगी एक बड़ी जंगल की आग पर 11 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह आग पिछले 30 सालों में देश की दूसरी सबसे बड़ी आग मानी जा रही है। यह आग इवाते के पहाड़ी इलाके में फैली थी, जिसमें करीब 1,600 हेक्टेयर (लगभग 4,000 एकड़) जंगल जल गया। यह इलाका सेंट्रल पार्क से करीब पांच गुना बड़ा है। आग बुझाने के लिए सैकड़ों दमकलकर्मी और 1,000 से ज्यादा सैन्य जवान लगातार काम करते रहे। इस आग से कम से कम 8 इमारतों को नुकसान पहुंचा और 2 लोगों को हल्की चोटें आईं। आग फैलने के खतरे को देखते हुए हजारों लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया था।

अभी भी खतरा खत्म नहीं हुआ

ओत्सुची के मेयर कोजो हिरानो ने बताया कि उन्हें जानकारी दी गई है कि आग अब नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि हवाई और जमीन से किए गए प्रयासों और भारी बारिश की वजह से आग को काबू में लाया जा सका। हालांकि, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अभी पूरी तरह खतरा खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि कुछ जगहों पर आग की चिंगारियां अभी भी बाकी हो सकती हैं। इसलिए प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है।

आग लगने की वजह क्या है?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से सर्दियों में सूखापन बढ़ रहा है। इससे जंगलों में आग लगने का खतरा ज्यादा हो जाता है। वैज्ञानिक लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि जीवाश्म ईंधन के ज्यादा इस्तेमाल से तापमान बढ़ रहा है, जिससे सूखा लंबे समय तक रहता है और ऐसी आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

हिंदमाता एंकर वाशिंगटन के दो महीने के सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज करते हुए ईरान ने सभी विवादों को 30 दिनों के अंदर सुलझाने की बात कही है

'हम सभी मोर्चों पर जंग खत्म करने को तैयार', ईरान ने US को भेजा 14 सूत्रीय प्रस्ताव, ट्रंप बोले- हम करेंगे रिव्यू

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान ने अमेरिका समर्थित 9 सूत्रीय शांति प्रस्ताव के जवाब में रविवार को अपना विस्तृत 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेज दिया है। पाकिस्तानी मध्यस्थ के जरिए भेजे गए इस जवाब में तेहरान ने केवल अस्थायी सीजफायर के बजाय संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने की इच्छा जताई है। वाशिंगटन के दो महीने के सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज करते हुए ईरान ने सभी विवादों को 30 दिनों के अंदर सुलझाने की बात कही है। इस प्रस्ताव में भविष्य के हमलों के खिलाफ गारंटी, अमेरिकी सेना की वापसी और नौसैनिक नाकेबंदी को खत्म करने जैसी शर्तें शामिल हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इस प्रस्ताव का रिव्यू (समीक्षा) करने की बात कही है। हालांकि, ट्रंप ने संदेह जताते हुए कहा है कि ईरान ने अब तक अपने दशकों के कृत्य की पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है।

30 दिन में सभी मुद्दों का समाधान

तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान ने अमेरिका समर्थित 9 सूत्री प्रस्ताव का औपचारिक रूप से जवाब देते हुए एक विस्तृत 14 सूत्री योजना प्रस्तुत की है, जिसमें उसने चल रही दुश्मनी को समाप्त करने के लिए अपनी शर्तें बताई हैं। तेहरान ने अपनी शर्तों में स्पष्ट किया है कि वह अस्थायी सीजफायर से आगे बढ़कर संघर्ष का व्यापक समाधान चाहता है, जबकि वाशिंगटन ने अपने प्रस्ताव में दो महीने के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, लेकिन ईरान ने लंबे वक्त तक चलने वाले सीजफायर के विचार को खारिज करते हुए जोर दिया कि सभी मुख्य मुद्दों का समाधान 30 दिनों के अंदर किया जाना चाहिए। ईरान ने अपने इस प्रस्ताव में क्षेत्र के सुरक्षा और आर्थिक ढांचे को नया रूप देने, भविष्य के हमलों के खिलाफ गारंटी, अमेरिकी सेना की वापसी और नौसैनिक नाकेबंदी को खत्म करने जैसी शर्तें शामिल हैं साथ ही ईरान ने द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा लेबनान समेत सभी मोर्चों पर लड़ाई खत्म करने का आह्वान किया है। उसने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सुरक्षा और नेविगेशन के लिए एक नया तंत्र बनाने का भी सुझाव दिया है।

'इस प्रस्ताव का स्वीकार होना मुश्किल'

ईरान के इस प्रस्ताव पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वो ईरान के नए प्रस्ताव की जल्द ही जांच करेंगे, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि इसे स्वीकार करना मुश्किल है। ट्रंप का मानना है कि ईरान को अपनी पिछली कार्रवाइयों के लिए और अधिक जवाबदेह होना चाहिए। फिलहाल पाकिस्तान के माध्यम से बातचीत जारी है, लेकिन समुद्री विवाद और ट्रंप के बयानों ने सुलह की राह में नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

'समुद्री डकैती' के बयान पर मचा बवाल

वहीं, शांति वार्ता के बीच दोनों देशों में तनाव तब बढ़ गया जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक कार्रवाई की तुलना समुद्री डकैती (Piracy) से कर दी। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी बलों ने एक जहाज और उसका माल जब्त किया है और वो समुद्री लुटेरों की तरह हैं, लेकिन वे खेल नहीं रहे हैं। उन्होंने इन जब्ती को 'बहुत लाभदायक व्यवसाय' बताया। इस बयान पर ईरान ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अमेरिका पर ग्रकानूनी समुद्री डकैतीर करने का आरोप लगाया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ट्रंप की टिप्पणी को गैरकानूनी आचरण की स्पष्ट स्वीकारोक्ति बताया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र से अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के उल्लंघन को खारिज करने की अपील की है।

बिजनेस वर्ल्ड

46,313 MT एलपीजी लेकर शिप जल्द पहुंचेगा भारत, बुकिंग सुधरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच मार्शल आइलैंड्स-ध्वज वाला LPG जहाज़ MT Sarv Shakti, जिसमें 46,313 मीट्रिक टन भारतीय LPG लदा है, सुरक्षित रूप से हॉर्मुज स्टेट पार कर चुका है। यह 13 मई 2026 तक विशाखापत्तनम पहुंच सकता है। इससे देश में LPG सप्लाई को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। सरकार ने साफ किया है कि घरेलू LPG, PNG और CNG की 100% सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। 2 मई को देशभर में करीब 47 लाख LPG सिलेंडर वितरित किए गए। ड्राई-आउट यानी सप्लाई खत्म होने जैसी कोई स्थिति नहीं है। ऑनलाइन बुकिंग 99% तक पहुंच गई है, जबकि DAC आधारित डिलीवरी 94% तक हो चुकी है। शहरी इलाकों में बुकिंग अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन किया गया है। कमर्शियल LPG की सप्लाई अभी संकट से पहले के स्तर के करीब 70% तक पहुंची है। अस्पताल, शिक्षा और फार्मा सेक्टर को प्राथमिकता दी जा रही है। अप्रैल 2026 से अब तक 2.14 लाख मीट्रिक टन कमर्शियल LPG बेचा गया है। मजदूरों और जरूरतमंदों के लिए 5 किग्रा सिलेंडर की सप्लाई बढ़ाई गई है। अप्रैल से अब तक 23.44 लाख छोटे सिलेंडर बेचे गए। PSU ऑयल कंपनियों ने 10,100 से ज्यादा जागरूकता शिविर लगाए हैं।

इंश्योरेंस सेक्टर में 100% विदेशी निवेश को मंजूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अगर आप भी अपने और अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य के लिए बीमा पॉलिसी लेने की सोच रहे हैं या पहले से ही हर साल मोटा प्रीमियम भर रहे हैं, तो यह खबर सीधे आपसे जुड़ी है। केंद्र सरकार ने बीमा यानी इंश्योरेंस सेक्टर की पूरी तस्वीर बदलने वाला एक अहम फैसला लिया है। अब देश के इंश्योरेंस सेक्टर में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश (FDI) का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने शनिवार को इसे 'ऑटोमैटिक रूट' के जरिए मंजूरी दे दी है। यानी विदेशी कंपनियों के लिए अब भारत के बीमा बाजार में पैसा लगाना और कारोबार करना बेहद आसान हो जाएगा। इस कदम से न सिर्फ बाजार में नई पूंजी आएगी, बल्कि इसका सीधा फायदा आम ग्राहकों को भी मिल सकता है। पिछले साल दिसंबर 2025 में संसद से इंश्योरेंस सेक्टर में एफडीआई की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का बिल पास हुआ था। अब राष्ट्रपति की मुहर और फरवरी 2026 में डीपीआईआईटी (DPIIT) के नोटिफिकेशन के बाद यह कानून का रूप ले चुका है। आम आदमी के नजरिए से देखें, तो जब विदेशी कंपनियां अपना पैसा लेकर भारत आएंगी, तो बाजार में नई बीमा कंपनियों की एंट्री होगी। कंपनियों के बीच ग्राहकों को लुभाने के लिए होड़ मचेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संसद में यही तर्क दिया था कि प्रतिस्पर्धा बढ़ने से इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ेगी और सबसे अहम बात, पॉलिसी का प्रीमियम सस्ता होने की पूरी उम्मीद है। साथ ही, इस विस्तार से देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। भले ही सरकार ने पूरे सेक्टर के लिए दरवाजे खोल दिए हैं, लेकिन देश की सबसे बड़ी और भरोसेमंद सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के मामले में नियम अलग रखे गए हैं। जहां निजी कंपनियों और ब्रोकर्स (इंटरमीडियरीज) में 100 फीसदी तक विदेशी पैसा बिना सरकारी मंजूरी के आ सकेगा, वहीं एलआईसी के लिए यह निवेश सीमा केवल 20 प्रतिशत ही तय की गई है। इसके पीछे की वजह यह है कि एलआईसी का संचालन LIC एक्ट 1956 के तहत होता है। सरकार ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट रूल्स 2026 में संशोधन कर यह साफ कर दिया है कि इस सरकारी कंपनी में विदेशी दखल एक सीमित दायरे में ही रहेगा। इस नए फैसले में चीन और हांगकांग जैसे देशों से आने वाले निवेश को लेकर भी नियमों में ढील दी गई है। पहले नियम था कि अगर किसी विदेशी कंपनी में भारत से सीमा साझा करने वाले देशों का एक भी शेयरहोल्डर है, तो उसे सरकार से मंजूरी लेनी पड़ती थी। अब सरकार ने राहत देते हुए कहा है कि अगर किसी विदेशी कंपनी में चीन या हांगकांग की 10 प्रतिशत तक हिस्सेदारी है, तो वे भी शर्तों का पालन करते हुए ऑटोमैटिक रूट से निवेश कर सकेंगी। हालांकि, सरकार की नजर निवेश के 'असली मालिक' (बेनेफिशियल ओनर) पर रहेगी। जो कंपनियां सीधे तौर पर पड़ोसी देशों में रजिस्टर्ड हैं, उन्हें यह छूट नहीं मिलेगी।

8वां वेतन आयोग: 283% बढ़ोतरी की मांग, 69 हजार हो सकता है न्यूनतम वेतन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के इंतज़ार ने अब एक बेहद दिलचस्प मोड़ ले लिया है। आठवें वेतन आयोग को लेकर सरकार और कर्मचारी यूनियनों के बीच पहले दौर की औपचारिक बातचीत पूरी हो चुकी है। इस बातचीत से जो मांगें निकलकर सामने आई हैं, वे लाखों परिवारों के आर्थिक भविष्य की तस्वीर बदल सकती हैं। कर्मचारी संगठनों ने सरकार के सामने न्यूनतम बेसिक सैलरी को सीधे 18,000 रुपये से बढ़ाकर 69,000 रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। यह पिछले वेतन आयोग के मुकाबले 283% की एकमुश्त वृद्धि है। बढ़ती महंगाई के इस दौर में अगर सरकार 3.83 के फिटमेंट फैक्टर की इस डिमांड को हरी झंडी दे देती है, तो देश के करीब 36 लाख कर्मचारियों और लाखों पेंशनभोगियों की किस्मत चमकनी तय है। इस ऐतिहासिक उछाल के पीछे 'फिटमेंट फैक्टर' का अहम रोल है। सातवें वेतन आयोग में यह मल्टीप्लायर 2.57 तय किया गया था। इस बार कर्मचारी संगठनों ने इसे बढ़ाकर 3.83 करने की पुरजोर मांग की है। इस गणित को ऐसे समझा जा सकता है: यदि किसी कर्मचारी का मौजूदा न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये है, तो उसे 3.83 से गुणा करने पर नई बेसिक सैलरी 68,940 रुपये (लगभग 69,000 रुपये) बनती है। ठीक इसी फॉर्मूले के तहत न्यूनतम पेंशन का दायरा भी 9,000 रुपये से बढ़कर 34,470 रुपये के स्तर पर पहुंच जाएगा। वेतन में इस भारी बढ़ोतरी की मांग हवा में नहीं की गई है। कर्मचारी प्रतिनिधियों का स्पष्ट तर्क है कि मौजूदा वेतन ढांचा आज की बेतहाशा महंगाई के सामने बौना साबित हो रहा है। आज के दौर में इंटरनेट, मोबाइल डेटा और डिजिटल खर्च विलासिता नहीं बल्कि बुनियादी जरूरत बन चुके हैं। बीते कुछ वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और शहरों में रहने की लागत कई गुना बढ़ चुकी है। NC-JCM के संयोजक शिव गोपाल मिश्रा के मुताबिक, रेलवे, रक्षा, डाक, आयकर और अन्य सिविल सेवाओं के कर्मचारियों ने बेसिक पे के साथ-साथ सालाना इंक्रीमेंट को भी 3% से बढ़ाकर 6% करने का प्रस्ताव रखा है। वेतन आयोग की इस बैठक का एजेंडा केवल मासिक तनख्वाह तक सीमित नहीं था। कर्मचारी यूनियनों ने बाजार के जोखिमों पर आधारित नई पेंशन योजना के बजाय पुरानी पेंशन योजना की बहाली को अपनी मुख्य मांगों में शामिल रखा है। इसके अलावा भत्तों में बड़े सुधार की वकालत की गई है। हाउस रेंट अलाउंस, ट्रांसपोर्ट अलाउंस और विशेषकर रेलवे व रक्षा जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में काम करने वालों के लिए बेहतर मुआवजे की मांग उठाई गई है।

कोटक बैंक ने क्यों खींचे कदम? CEO ने खोल दिया डील अटकन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया लंबे समय से चर्चा में है। ग्राहकों से लेकर शेयर बाजार के निवेशकों तक, हर किसी की नजर इस बात पर है कि इस सरकारी बैंक की कमान अब किसके हाथों में जाएगी। इस रेस में कोटक महिंद्रा बैंक का नाम सबसे आगे चल रहा था, लेकिन अब तस्वीर बदल गई है। कोटक बैंक ने इस बड़ी डील से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) अशोक वासवानी ने हाल ही में बताया कि आखिर क्यों उन्होंने बोली लगाने से इनकार कर दिया। उनका सीधा जवाब था,आईडीबीआई बैंक की कीमत बहुत ज्यादा मांगी जा रही है। कोटक महिंद्रा बैंक शुरुआत से ही आईडीबीआई बैंक के अधिग्रहण को लेकर गंभीर नजर आ रहा था। बैंक ने इसके लिए बाकायदा 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (EoI) भी जमा किया था। यहां तक कि देश के केंद्रीय बैंक RBI से 'फिट-एंड-प्रॉपर' के कड़े मानक भी पूरे कर लिए गए थे। यानी कागजी तौर पर कोटक बैंक इस खरीदारी के लिए पूरी तरह योग्य था। इसके बावजूद, जब फाइनल बोली लगाने का वक्त आया, तो बैंक ने अपने हाथ खींच लिए। अशोक वासवानी ने बैंक के मार्च 2026 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद मीडिया से बातचीत में इस रहस्य से पर्दा उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीदारों के बीच दिलचस्पी इसलिए सीमित है क्योंकि सरकार द्वारा तय किया गया वैल्यूएशन (मूल्यांकन) हकीकत से कहीं अधिक है। एक आम ग्राहक या निवेशक के नजरिए से समझें, तो अगर किसी संपत्ति की कीमत उसकी असल हैसियत और मुनाफे की गुंजाइश से ज्यादा मांगी जाएगी, तो खरीदार का हिचकिचाना लाजमी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब बड़े खरीदार इतनी ज्यादा कीमत देने को तैयार नहीं हैं, तो क्या सरकार आईडीबीआई बैंक का रेट कम करेगी? फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। वित्त मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने हाल ही में संकेत दिया है कि निजीकरण की योजना अपने ट्रैक पर है और सरकार सभी विकल्पों को टटोल रही है। सरकार का साफ तर्क है कि आईडीबीआई बैंक मुनाफे में है और अन्य बैंकिंग पैमानों पर भी इसका प्रदर्शन बेहतर है। इसलिए, इसके वैल्यूएशन में कटौती करने की कोई खास संभावना नहीं है। हालांकि, एक सच्चाई यह भी है कि शुरुआत में जो बोलियां आईं, वे सरकार द्वारा तय 'रिजर्व प्राइस' से काफी कम थीं।

दैनिक ठाणे, सोमवार 4 मई, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित

- हरलीन देओल को नहीं मिला मौका
- फुलमाली और नंदिनी शामिल

टी-20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय महिला टीम घोषित हो गई। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुआई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और अब टीम की नजरें अपने पहले टी-20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी-20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

टीम में क्या खास?

टी-20 विश्व कप के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनकैप्ड नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया गया है। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

टी-20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को 'ग्रुप ऑफ डेथ' माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी।

ग्रुप 1: ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड।

ग्रुप 2: वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड।

विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

टी-20 विश्व कप से पहले टीम इंडिया हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 28 मई को होगी।

14 जून को भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं।

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026- पूरा कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार)

तारीख	मुकाबला	स्थान	समय (IST)
12 जून	इंग्लैंड vs श्रीलंका	एजबेस्टन	रात 11:00 बजे
13 जून	स्कॉटलैंड vs आयरलैंड	ओल्ड ट्रैफर्ड	दोपहर 3:00 बजे
13 जून	ऑस्ट्रेलिया vs दक्षिण अफ्रीका	ओल्ड ट्रैफर्ड	शाम 7:00 बजे
13 जून	वेस्टइंडीज vs न्यूजीलैंड	हैम्पशायर बाउल	रात 11:00 बजे
14 जून	बांग्लादेश vs नीदरलैंड	एजबेस्टन	दोपहर 3:00 बजे
14 जून	भारत vs पाकिस्तान	एजबेस्टन	शाम 7:00 बजे
16 जून	न्यूजीलैंड vs श्रीलंका	हैम्पशायर बाउल	शाम 7:00 बजे
16 जून	इंग्लैंड vs आयरलैंड	हैम्पशायर बाउल	रात 11:00 बजे
17 जून	ऑस्ट्रेलिया vs बांग्लादेश	हेडिंग्ले	दोपहर 3:00 बजे
17 जून	भारत vs नीदरलैंड	हेडिंग्ले	शाम 7:00 बजे
17 जून	दक्षिण अफ्रीका vs पाकिस्तान	एजबेस्टन	रात 11:00 बजे
18 जून	वेस्टइंडीज vs स्कॉटलैंड	हेडिंग्ले	रात 11:00 बजे
19 जून	न्यूजीलैंड vs आयरलैंड	हैम्पशायर बाउल	रात 11:00 बजे
20 जून	ऑस्ट्रेलिया vs नीदरलैंड	हैम्पशायर बाउल	दोपहर 3:00 बजे
20 जून	पाकिस्तान vs बांग्लादेश	हैम्पशायर बाउल	शाम 7:00 बजे
20 जून	इंग्लैंड vs स्कॉटलैंड	हेडिंग्ले	रात 11:00 बजे
21 जून	वेस्टइंडीज vs श्रीलंका	ब्रिस्टल	दोपहर 3:00 बजे
21 जून	दक्षिण अफ्रीका vs भारत	ओल्ड ट्रैफर्ड	शाम 7:00 बजे
23 जून	न्यूजीलैंड vs स्कॉटलैंड	ब्रिस्टल	दोपहर 3:00 बजे
23 जून	श्रीलंका vs आयरलैंड	ब्रिस्टल	शाम 7:00 बजे
23 जून	ऑस्ट्रेलिया vs पाकिस्तान	हेडिंग्ले	रात 11:00 बजे
24 जून	इंग्लैंड vs वेस्टइंडीज	लॉर्ड्स	रात 11:00 बजे
25 जून	भारत vs बांग्लादेश	ओल्ड ट्रैफर्ड	शाम 7:00 बजे
25 जून	दक्षिण अफ्रीका vs नीदरलैंड	ब्रिस्टल	रात 11:00 बजे
26 जून	श्रीलंका vs स्कॉटलैंड	ओल्ड ट्रैफर्ड	रात 11:00 बजे
27 जून	पाकिस्तान vs नीदरलैंड	ब्रिस्टल	दोपहर 3:00 बजे
27 जून	वेस्टइंडीज vs आयरलैंड	ब्रिस्टल	शाम 7:00 बजे
27 जून	इंग्लैंड vs न्यूजीलैंड	द ओवल	रात 11:00 बजे
28 जून	दक्षिण अफ्रीका vs बांग्लादेश	लॉर्ड्स	दोपहर 3:00 बजे
28 जून	ऑस्ट्रेलिया vs भारत	लॉर्ड्स	शाम 7:00 बजे
30 जून	सेमीफाइनल 1	द ओवल	शाम 7:00 बजे
2 जुलाई	सेमीफाइनल 2	द ओवल	रात 11:00 बजे
5 जुलाई	फाइनल	लॉर्ड्स	शाम 7:00 बजे

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित

टी-20 विश्व कप के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भी टीम का एलान किया गया है। इसमें प्रतिका रावल को मौका मिला है। यह मुकाबला 10 से 13 जुलाई के बीट लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा।

टेस्ट मुकाबले के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतिका रावल, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, हरलीन देओल, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, स्नेह राणा।

कान में छाएंगी तारा सुतारिया

अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच तारा सुतारिया अपने करियर के एक नए और बड़े दौर में कदम रखने के लिए तैयार नजर आ रही हैं, जो सिर्फ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस 2026 में प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रही हैं, जो उनके ग्लोबल सफर का बड़ा पड़ाव माना जा रहा है।

■ रिपोर्ट्स के अनुसार, टॉक्सिक से पहले तारा सुतारिया कान फिल्म फेस्टिवल 2026 में डेब्यू करेंगी और ग्लोबल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। टॉक्सिक पहले ही चर्चा में है, और यह डेब्यू उनके करियर के एक बड़े इंटरनेशनल दौर की शुरूआत माना जा रहा है। कान डेब्यू को लंबे समय से उन कलाकारों के लिए एक बड़े पड़ाव के तौर पर देखा जाता है, जो इंटरनेशनल पहचान बनाना चाहते हैं, और तारा सुतारिया के लिए यह मौका ऐसे समय पर आया है जब उनके काम के चुनाव लगातार लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। अपनी खूबसूरती और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचानी जाने वाली तारा ने एक नए चेहरे से आगे बढ़कर खुद को ऐसे कलाकार के रूप में साबित किया है, जो अलग और बड़े प्रोजेक्ट्स करना चाहती हैं।

■ उनका फिल्म टॉक्सिक से जुड़ना, जिसने पहले ही दर्शकों और इंडस्ट्री के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है, उनके कान पहुंचने को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा देता है। यह ग्लोबल मंच उन्हें सिर्फ पहचान ही नहीं देगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय फिल्ममेकर्स, ब्रांड्स और नई कहानियों से जुड़ने का मौका भी देगा। अगर चल रही खबरें सही साबित होती हैं, तो तारा का कान डेब्यू सिर्फ रेड कार्पेट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह उनके ग्लोबल सिनेमा सफर की शुरूआत बन सकता है। हर साल कान्स में भारत की मौजूदगी बढ़ रही है, और ऐसे में तारा सुतारिया का वहां पहुंचना सिर्फ उनकी निजी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक बड़ा सांस्कृतिक पल भी होगा। अब सबकी नजरें 2026 पर होंगी, जब तारा अपनी खास शालीनता और बड़े इरादों के साथ दुनिया के सबसे मशहूर सिनेमाई मंचों में से एक पर कदम रखेंगी।

प्रियंका के साथ जोनस का रोमांटिक पोज

बॉलीवुड और हॉलीवुड के सबसे प्रसिद्ध कपल प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस अपनी एक झलक से फैंस का दिल जीत लेते हैं। आज निक जोनस ने सोशल मीडिया हैंडल पर प्रियंका के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर कर फैंस का दिल एक बार फिर से जीत लिया है।

निक का पोस्ट

निक ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में फैंस को एक तस्वीर सबसे ज्यादा पसंद आई, जिसमें निक अपनी पत्नी प्रियंका को रोमांटिक अंदाज में देखते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को देखकर फैंस लगातार कपल की पोस्ट पर अपना प्यार बरसा रहे हैं। इस पोस्ट के साथ निक ने कैप्शन में लिखा, 'मुझे कुछ रीमिक्स चाहिए।'

प्रियंका और निक की शादी

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी 1 और 2 दिसंबर 2018 को जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में एक शाही समारोह में हुई थी। इस जोड़े ने ईसाई और हिंदू दोनों रीति-रिवाजों का पालन किया। शादी के कार्यक्रम बहु-दिवसीय थे, जिसमें मेहंदी, संगीत और पारंपरिक हिंदू शादी शामिल थी। प्रियंका और निक ने शादी के लगभग चार साल बाद, जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस का स्वागत किया। मालती का जन्म समय से पहले (27 सप्ताह में) हुआ था, जिसकी वजह से उन्हें 100 दिनों से अधिक समय तक एनआईसीयू (ठक्ख्व) में रहना पड़ा था, लेकिन अब वह स्वस्थ हैं।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा निर्देशक एस एस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से लगभग आठ साल बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अप्रैल 2027 में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन साथ नजर आएंगे। इसके अलावा प्रियंका हॉलीवुड एक्शन सीरीज 'सिटाडेल 2' में नजर आएंगी।

मेट गाला की प्री-पार्टी में छाईं ईशा अंबानी

रिलायंस की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी 1 मई को न्यूयॉर्क में वोग के मेट गाला प्री-पार्टी में शामिल हुईं। इस ड्रेस को मनीष मल्होत्रा ने ईशा के ही लेबल स्वदेश के साथ मिलकर डिजाइन किया। इस का ट्रेडिशन और मॉडर्न सिल्हूट का फ्यूजन इसे खास बनाता है। इस स्ट्रेपलेस ड्रेस में ईशा काफी खूबसूरत भी नजर आईं। आज होगा मेट गाला का आयोजन।

ईशा की ड्रेस में क्या है खास?

इस कस्टम हैंडक्राफ्टेड बैंडेज ड्रेस में सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट अनायता श्रॉफ ने ईशा को स्टाइल किया है, जिसमें देसी और मॉडर्न वाइब्स का फ्यूज बेहद खूबसूरत तरीके से देखने को मिल रहा है। ये मेट गाला की इस साल की थीम कॉस्ट्यूम आर्ट को भी दिखाती है। स्वदेश के कारीगरों द्वारा 450 घंटों से अधिक की मेहनत से तैयार किया गया यह आउटफिट 26 अलग-अलग बॉर्डरों से बना है, जिनमें से प्रत्येक भारत के एक अलग क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें उत्तर प्रदेश की जरी, पारसी गारा कढ़ाई, माहेश्वरी बुनाई, करचोबी, आरी भरत, टिल्ला, कंथा, कांजीवरम रेशम, पैठानी और बनारसी ब्रोकेड जैसी तकनीकों का मिश्रण, जो उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम से प्रेरणा लेकर एक टेपेस्ट्री तैयार करती हैं। प्रत्येक बॉर्डर का अपना एक इतिहास है, जो मिलकर कल्चर, क्राफ्ट और मॉडर्निटी की एक झलक पेश करते हैं।

4 मई को होगा मेट गाला का आयोजन

78वें मेट गाला का आयोजन सोमवार 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में किया जाएगा। मेट गाला 2026 का रेड कार्पेट सोमवार 4 मई को शाम 6 बजे से लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। लेकिन भारत में मेट गाला को मंगलवार 5 मई को सुबह 3:30 बजे भारतीय समय के अनुसार देखा जा सकेगा। इसे पीकॉक, हुलु+लाइव टीवी और डायरेक्ट टीवी जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। जबकि भारतीय दर्शक मेट गाला 2026 के रेड कार्पेट को वोग के यूट्यूब चैनल पर 5 मई को सुबह 3:30 बजे से लाइव देख सकते हैं। इस बार मेट गाला में भारत की ओर से करण जौहर, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा और रणवीर सिंह के शिरकत करने की उम्मीद है।

सूर्या के साथ नजर आएंगी तृषा कृष्णन

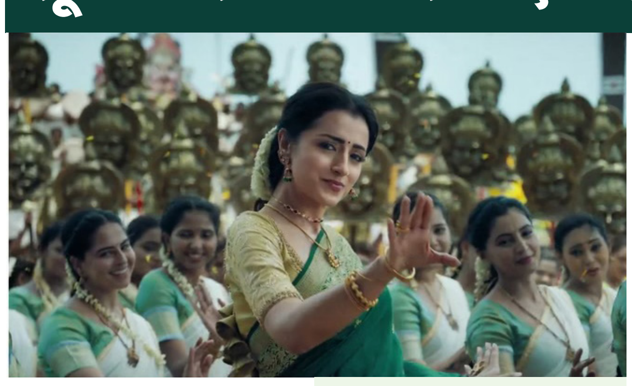

अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन थलापति विजय के साथ अपने कथित रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच मेकर्स ने उनकी अपकमिंग फिल्म 'करुप्पु' की एक झलक शेयर की है। इसमें त्रिशा कृष्णन का लुक नजर आया है। इस फिल्म में उनके साथ सूर्या अहम किरदार में हैं।

वीडियो में क्या है?

मेकर्स ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो देखकर अंदाजा लग रहा है कि तृषा इसमें एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। इसमें उनका नाम प्रीति है। हाल ही में तृषा थलापति विजय के साथ एक शादी में नजर आईं। इसके बाद वह सुर्खियों में आ गईं। इसकी वजह यह थी कि विजय की पत्नी संगीता ने आरोप लगाया था कि विजय का एक एक्ट्रेस से रिश्ता है।

टीजर में क्या है खास?

हाल ही में, मेकर्स ने सूर्या के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टीजर शेयर किया। टीजर में, एक्टर को जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस करते हुए देखा गया। टीजर में एक्टर को एक ऐसे इंसान के तौर पर दिखाया गया है, जो स्ट्रीट फाइटिंग में माहिर है और कोर्ट में भी केस जीतना जानता है। फिल्म में उन्हें भी एक वकील के तौर पर दिखाया गया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस फिल्म को आरजे बालाजी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। सूर्या के साथ-साथ, फिल्म में इंद्रन्स, नैटी, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और अन्य कलाकार भी हैं। यह फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

निक्की तंबोली की दिलकश अदा

टीवी और सोशल मीडिया सेंसेशन निक्की तंबोली अपने अपने बोल्ड और दिलकश अंदाज के लिए मशहूर हैं। वह अपनी सिजलिंग अदाओं से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। इस बार निक्की ने मरून कलर की साड़ी में अपनी कुछ सुपर सिजलिंग तस्वीरें शेयर की है। खूबसूरत शिमरी साड़ी में निक्की की अदाएं देखने लायक है।

■ निक्की ने एक मॉर्डन और स्टाइलिश प्री-ड्रेप्ड शिमरी साड़ी है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग स्ट्रैपी और डीप-नेकलाइन वाला ब्लाउज कैरी किया है, जो इस लुक को काफी बोल्ड और आकर्षक बना रहा है। निक्की ने सॉफ्ट ग्लैम मेकअप, न्यूड लिपिस्टिक और स्मोकी आई मेकअप से अपना लुक कम्प्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और उन्हें एक सॉफ्ट वेवी लुक दिया है।

■ निक्की ने भारी नेकलेस, मैचिंग इयररिंग्स और ब्रेसलेट के साथ अपनी एक्सेसरीज को बहुत ही सलीके से चुना है। लाल नेल पेंट और हाथों में अंगूठियां उनके पूरे लुक को बैलेंस कर रही हैं। तस्वीरों में निक्की के पोज और फेशियल एक्सप्रेशन देखने लायक हैं। वह कैमरे के सामने बेहद कॉन्फिडेंट होकर अपने कर्व्स और ड्रेस को फ्लॉन्ट करती हुई दिख रही हैं। निक्की तंबोली का यह सुपर सिजलिंग अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों पर 1 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप